मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 7 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन कृष्ण 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 147, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ बदलता बांग्लादेश, बढ़ता भारत-विरोध

पर्दे पर हाउसवाइफ का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट ◂◂ 6

मुख्यमंत्री हेमंत- कल्पना सोरेन की आज शादी की 20वीं सालगिरह, रजरप्पा मंदिर में लिया आशीर्वाद

मेट्रो रेज

रांची: आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रहे हैं। दोनों ने इस खास मौके पर रजरप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। उनके साथ उनके बच्चे भी थे। मुख्यमंत्री ने यहां प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ छिन्नमस्तिका मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर माता रानी से समस्त राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री ने नारियल बलि देकर रक्षा सूत्र बंधवाया तथा शीश झुकाकर माँ छिन्नमस्तिका से आशीर्वाद मांगा। मौके पर धार्मिक पुरोहितों ने परम्परा के अनुरूप पूरे विधि-

विधान से पूजा सम्पन्न कराई। इस अवसर पर रजरप्पा मंदिर न्यास समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री एवं विधायक को सप्रेम प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

ज्ञात हो 7 फरवरी 2006 को हेमंत सोरेन ने कल्पना सोरेन को जीवन संगिनी के रूप में चुना और शादी के अटूट बंधन में बंध गए थे। तभी से उनका साथ एक प्रेरक जोड़ी के रूप में माना जाता है। विवाह के बाद से ही कल्पना सोरेन ने अपने पति का हर कदम पर साथ दिया। वे न केवल एक पत्नी बल्कि हेमंत सोरेन के राजनीतिक सफर की मजबूत सहायक और मार्गदर्शक बनकर उभरी हैं। उनका घर में आगमन सोरेन परिवार की तकदीर बदलने वाला साबित हुआ। हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन का रिश्ता राजनीतिक जीवन में भी बेहद प्रभावशाली है।

कल्पना सोरेन को सोरेन परिवार में लेडी लक के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने हर मुश्किल समय में हेमंत सोरेन का साहस और हौसला बढ़ाया। आज का दिन दोनों के जीवन की स्थिरता की याद दिलाता है। दरअसल दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बेटी की शादी ओडिशा में हुई है। कल्पना सोरेन से शिबू सोरेन परिवार की पहली मुलाकात एक शादी समारोह में हुई थी। बताया जाता है कि पहली नजर में शिबू सोरेन परिवार ने कल्पना सोरेन को अपनी बहू के रूप में स्वीकार कर लिया था। फिर दोनों परिवारों की आपसी सहमति से शादी तय हो गई थी।

कोडरमा से 10 आदिवासी बच्चे लापता

श्राद्ध में शामिल होने गए थे, 7 दिन बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

संवाददाता

कोडरमा: जिले के एक छोटे से गांव से दस आदिवासी बच्चे एक साथ लापता हो गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। सभी विशेष रूप से संवेदनशील आदिवासी समूह (पीवीटीजी) से संबंधित हैं।

पुलिस ने बताया कि सभी बच्चे जयनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत खरियोडीह पंचायत के गदियाई बिरहोर टोला के निवासी हैं। जयनगर पुलिस थाना के प्रभारी अधिकारी उमा नाथ सिंह ने बताया, लापता सभी 10 बच्चे 31 जनवरी को गांव से लगभग 14-15 किलोमीटर दूर स्थित परसाबाद नामक स्थान पर श्राद्ध में शामिल होने गए थे और तब से घर नहीं लौटे हैं। उन्होंने कहा कि यह सूचना शुक्रवार को मिली थी और उसके बाद पुलिस ने बच्चों की तलाश शुरू कर दी।

सिंह ने बताया कि उस दिन वहां से करीब 60 से 70 लोग परसाबाद गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस की तीन से चार टीम फिलहाल अलग-अलग जगहों पर बच्चों की तलाश कर रही हैं।

बोकारो में हाथियों का तांडव

दो दिन में एक मासूम सहित पांच लोगों को कुचला, दहशत

घर में घुसकर गजानन कर रहे हमला

संवाददाता

बोकारो: झारखंड में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में हाथी बस्तियों में घुसकर लोगों पर हमला कर रहे हैं, जिससे आम लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। ताजा मामला बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड का है, जहां दो अलग-अलग गांवों में हाथियों के हमले में बीते दो दिनों में पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

हाथियों ने घरों के दरवाजे और दीवारें तोड़ दीं: घटना महुआटांड़ पंचायत के गांगपुर गांव की है, जहां हाथियों के हमले से दादा-पोते की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गांगपुर गांव में

गुरुवार रात करीब 8:30 बजे तीन हाथियों का झुंड गांव में घुस आया। हाथियों ने घरों में तोड़फोड़ की और जमकर उत्पात मचाया। इसी दौरान हाथियों ने घर में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में 60 वर्षीय सोमर साव और उनके 8 वर्षीय पोते अमन कुमार (आयुष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 10 वर्षीय राहुल कुमार, शांति देवी और 10 वर्षीय राशि कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में उस समय बिजली नहीं थी। अंधेरे का फायदा उठाकर हाथियों ने घरों के दरवाजे और दीवारें तोड़ दीं और अंदर घुसकर हमला कर दिया। सभी लोग घर के अंदर ही मौजूद थे, जिससे जान बचाने का मौका तक नहीं मिल पाया।

पांच हाथियों का झुंड गांव में घुस आया: ग्रामीणों के अनुसार, घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। एक व्यक्ति अब भी लापता है, जिसकी तलाश जारी है। आशंका जताई जा रही है कि हाथी उसे अपने साथ ले गए हैं। इससे एक दिन पहले गोमिया प्रखंड के बड़की पन्नू गांव में भी हाथियों के हमले में एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गई थी। यह घटना बुधवार देर रात करीब तीन बजे की है, जब पांच हाथियों का झुंड गांव में घुस आया। हाथियों को देखकर जान बचाने के लिए भाग रहे गंगवा करमाली को हाथियों ने सूंड में लपेटकर पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पति की चीख-पुकार सुनकर बाहर आईं उनकी पत्नी कमली देवी को भी हाथियों ने कुचल दिया। इसी दौरान परिवार की महिला सदस्य भगिया देवी ने भी बचने की कोशिश की, लेकिन एक हाथी ने उन्हें भी कुचल दिया, जिससे उनकी भी मौत हो गई।

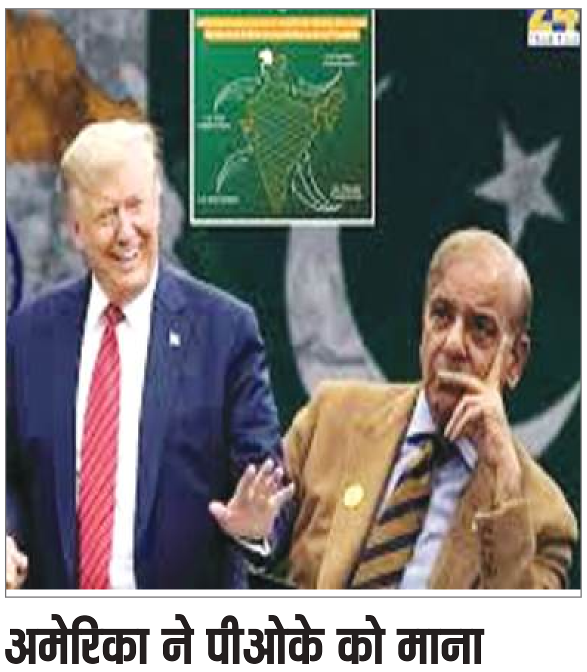

अमेरिका ने पीओके को माना भारत का हिस्सा, पाकिस्तान की दुखती रग पर रखा हाथ

नई दिल्ली : भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम ट्रेड समझौते को लेकर सहमति बन गई है और दोनों देशों की ओर से आधिकारिक बयान भी जारी किए गए हैं। इस बीच इस घटनाक्रम से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। अमेरिका ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा दशार्या है, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है।

दरअसल, अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के कार्यालय की ओर से जारी एक आधिकारिक पोस्ट के साथ भारत का नक्शा साझा किया गया है। इस नक्शे में पूरे जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा दिखाया गया है। खास बात यह है कि इसमें पीओके को भी भारत के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है और किसी तरह का अलग सीमांकन नहीं किया गया है।

अमेरिकी ट्रेड डिपार्टमेंट की ओर से जारी इस नक्शे में न तो लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) दिखाई गई है और न ही किसी क्षेत्र को विवादित बताया गया है। पूरा जम्मू-कश्मीर स्पष्ट रूप से भारत का हिस्सा दर्शाया गया है। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के अंतरिम फ्रेमवर्क को लेकर एक पोस्ट जारी किया था। इस पोस्ट में बताया गया कि इस समझौते से अमेरिकी उत्पादों के लिए भारत में नए बाजार खुलेंगे। इनमें ट्री नट्स, सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन, लाल ज्वार, ताजे और प्रोसेस्ड फल जैसे उत्पाद शामिल हैं। यूएसटीआर की ओर से कहा गया, ट्री नट्स और सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन से लेकर लाल ज्वार और ताजे व प्रोसेस्ड फलों तक, अमेरिका-भारत समझौता अमेरिकी उत्पादों को नए बाजार तक पहुंच प्रदान करेगा। हालांकि, इस पोस्ट के साथ जारी नक्शे ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी चर्चा शुरू हो गई है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर कंटेनर ने 15 लोगों को कुचला, 6 की मौत, कई घायल

मथुरा: उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के सुरीर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के एक सड़क हादसे में छह यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में माइल स्टोन 88 के पास सुबह करीब पौने तीन बजे यह हादसा उस समय हुआ जब दिल्ली के नांगलोई से कानपुर के रसूलाबाद जा रही एक निजी बस यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजर रही थी। रास्ते में कुछ यात्रियों ने लघुशंका के लिए चालक से बस रोकने का अनुरोध किया। बताया जा रहा है कि चालक ने निर्धारित ग्रीन जोन में बस न रोककर सड़क किनारे ही बस खड़ी कर दी। इसके बाद कई यात्री बस से उतरकर नीचे खड़े हो गए।

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक कंटेनर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कंटेनर ने बस के पास खड़े यात्रियों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में औरैया के सरवा कटरा निवासी सोनू, बस्ती के अलेवल निवासी देवेश, कन्नौज के गणेश का पुरवा निवासी अस्लम, दिल्ली के प्रेम नगर निवासी संतोष सहित दो अन्य यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दो मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

हादसे में औरैया के बेला निवासी अमर दुबे घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार घटना के समय कोहरा नहीं था। सुरीर थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि हादसे के बाद कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा, लेकिन राहत एवं बचाव कार्य के बाद आवागमन सुचारू करा दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भारत-नेपाल सीमा पर खुशियां मातम में बदलीं

बारात की बस 150 मीटर गहरी खाई में गिरी, 13 की मौत

काठमांडू : भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल के बैतडी जिले में एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसने शादी की खुशियों को चीख-पुकार में बदल दिया। बैतडी से बजांग जा रही बरातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण दुर्घटना में 13 बरातियों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 34 लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई लोगों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिन्हें इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

दुल्हन लेकर लौट रही थी बस, 150 मीटर नीचे जा गिरी: हादसा उस वक्त हुआ जब बस बैतडी के पुरचुंणी नगरपालिका-7 स्थित भवने गांव से दुल्हन लेकर विदा हुई थी और बजांग के सुनकुडा जा रही थी। रास्ते में पुरचूंणी के बड़गांव मोड़ के पास एक तीखी चढ़ाई और घुमाव पर बस का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते बस सड़क से फिसलकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। रात का समय होने के कारण वहां अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रहरी कार्यालय बैतडी के प्रवक्ता प्रहरी निरीक्षक बलदेव बड़ू ने बताया कि सूचना मिलते ही नेपाल एपीएफ, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने अंधेरे में ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और घायलों को खाई से बाहर निकाला।

ओवरलोडिंग बनी काल, चढ़ाई नहीं चढ़ पाई बस: प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बस में क्षमता से अधिक सवारियों का होना माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि बस में बरातियों की संख्या काफी ज्यादा थी। बड़गांव मोड़ के पास खड़ी चढ़ाई पर लोड ज्यादा होने के कारण बस ऊपर नहीं चढ़ पाई और पीछे की तरफ लुढ़कते हुए बेकाबू होकर खाई में गिर गई।

ट्रेड डील पर ऐलान के बाद भारत के लिए आई अच्छी खबर

रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप ने हटाया 25 प्रतिशत टैरिफ

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ को हटा दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस दिशा में अहम कदम उठाए हैं और मॉस्को से सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से तेल आयात बंद करने का आश्वासन दिया है। शुक्रवार को जारी एक कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने कहा कि उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी और सिफारिशें मिली हैं, जिनके अनुसार भारत ने कार्यकारी आदेश 14066 में बताई गई राष्ट्रीय आपात स्थिति से निपटने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। भारत ने रूस से तेल आयात बंद करने और अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने का वादा किया है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच अगले 10 वर्षों के लिए रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर एक फ्रेमवर्क पर भी सहमति बनी है। ट्रंप ने कहा कि उपलब्ध कराई गई जानकारी पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि भारत ने अमेरिका के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक मामलों में पर्याप्त तालमेल बिठाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी आधार पर भारत से आने वाले उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त एड वैलोरम शुल्क को समाप्त करने का फैसला लिया गया है।

इस बीच, अमेरिका-भारत के साझा बयान में कहा गया है कि भारत कई अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों के साथ-साथ खाद्य और कृषि उत्पादों की एक बड़ी श्रेणी पर टैरिफ हटाएगा। इनमें सूखे डिस्टिलर ग्रेन, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन, स्पिरिट्स और अन्य उत्पाद शामिल हैं।

इसके बदले में अमेरिका भी वस्तुओं की एक लंबी सूची पर पारस्परिक टैरिफ दरों में कटौती करेगा। साथ ही कुछ ऐसे उत्पादों पर टैरिफ पूरी तरह हटाने पर भी विचार किया जाएगा, जो अमेरिका में निर्मित नहीं होते हैं, बशर्ते दोनों देशों के बीच बातचीत सफल रहती है।

अभियंत्रण सेवा परीक्षा को लेकर रांची में निषेधाज्ञा, कल तीन केंद्रों पर होगी परीक्षा

संवाददाता

रांची: संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अभियंत्रण सेवा परीक्षा के सुचारु, शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संचालन के लिए रांची जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है। यह परीक्षा 08 फरवरी को रांची जिले के तीन परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसे लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

उपायुक्त और एसएसपी के संयुक्त आदेश पर कार्रवाई: विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन के संयुक्त आदेश पर परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारी और पर्याप्त संख्या में

पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशासन को आशंका है कि असामाजिक तत्व भीड़ जुटाकर शांति भंग करने का प्रयास कर सकते हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए निषेधाज्ञा लागू की गई है।

200 मीटर की परिधि में लागू रहेगी निषेधाज्ञा: अनुमंडल दंडाधिकारी ने बीएनएसएस की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की है। यह निषेधाज्ञा 08 फरवरी 2026 को सुबह 06:30 बजे से शाम 07:00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

एकत्र होने, ध्वनि विस्तारक और हथियारों पर प्रतिबंध: निषेधाज्ञा के दौरान पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एक स्थान पर एकत्र होने पर रोक रहेगी। किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, बम, बारूद और लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा, भाला जैसे हरवे हथियार लेकर चलने पर भी रोक रहेगी।

कुछ श्रेणियों को दी गई छूट: सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारी और कर्मचारी, सरकारी कार्यक्रम तथा शवयात्रा को निषेधाज्ञा के दायरे से मुक्त रखा गया है। इसके अलावा किसी भी प्रकार की बैठक या आमसभा आयोजित करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने आम नागरिकों और अभ्यर्थियों से नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि अभियंत्रण सेवा परीक्षा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराई जा सके।

डोर-टू-डोर विधिक जागरूकता कार्यक्रम

बाल विवाह न करें, बेटियों को शिक्षित करें अभिभावक : डालसा

संवाददाता

मुरी: सिल्ली प्रखंड के हाकेदाग पंचायत भवन तथा हरिडीह गांव में डोर-टू-डोर विधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस मौके पर शंकर महतो, कौशल्या देवी, बंशीधर घटवार, पंकज कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, बंशीधर महतो, ब्रजेश महतो, राजकुमार महतो एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

पीएलवी शंकर महतो ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़कों का विवाह बाल विवाह कहलाता है। इससे शिक्षा बाधित होती है, जिससे भविष्य अंधकारमय होता है। पीएलवी बंशीधर घटवार ने कहा कि जागरूकता बढ़ाना, लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना, कानून का कड़ाई से पालन और बाल संरक्षण सेवाओं (जैसे हेल्पलाइन 1098) का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। कौशल्या देवी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा दिये जानेवाले निःशुल्क कानुनी सहायता के बारे में ग्रामीणों को बतलाया तथा डालसा के द्वारा आयोजित किये जानेवाले लोक अदालत, मध्यस्थता, प्री-लिटिगेशन के बारे में लोगों को जानकारी दी तथा किसी भी समय ग्रामीण इनसे सहायता लेकर अपनी बातों को डालसा कार्यलय में रख सकते है। पीएलवी ने टॉल फ्री नम्बर - 15100 की जानकारी भी दिये। इसके साथ ही घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, बाल श्रम, नशामुक्ति, डायन बिसाही प्रथा आदि पर भी लोगों को विधिक जानकारी दी गयी। अंत में सभी पीएलवी द्वारा ग्रामीणों व अन्य लोगों के बीच पम्पलेट व लिफलेट का वितरण भी किया गया।

बिधायक ने कस्तूरबा विद्यालय, छात्रावास व आंगनबाड़ी केंद्र का किया शिलान्यास

मुरी: बिधायक अमित महतो के द्वारा सिल्ली में तीन जगह शिलान्यास हुआ। पहला सिल्ली कस्तूरबा बालिका बिद्यालय 6 अतिरिक्त क्लास रुम निर्माण,ब्राहमणी आंगनबाड़ी केन्द्र और अर्चरी सिल्ली में 25 बेड बालक छात्रावास निर्माण को लेकर शिलान्यास किया गया। ब्राहमणी सिल्ली के सुदुर पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित है जहाँ स्कूल के ही अलग कमरे में आंगन बाडी केन्द्र चलाया जा रहा था। जहाँ ज्यादा इसकी जरुरत थी । वही अर्चरी में बालक छात्रावास नहीं था वो भी पुरा किया गया।कस्तुरबा बालिका बिधालय में स्टुडेंट्स की संख्या ज्यादा होने के कारण अतिरिक्त क्लास रुम की जरूरत काफी पहले से थी। धायक के अलावा जिला परिषद लक्ष्मी देवी, अखिल महतो, सतीश तिवारी, राजेश कुमार आदि मौजूद थे।

चतरा नगर परिषद (आम) निर्वाचन

अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को निर्वाचन चिन्ह आवंटित

संवाददाता

चतरा: नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के अंतर्गत निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार आज नगर परिषद अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन चिन्हों का आवंटन किया गया। निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी वैध प्रत्याशियों को गैर-दलीय आधार पर निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। अध्यक्ष पद के लिए कुल 22 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिन्हें निम्नानुसार निर्वाचन चिन्ह आवंटित किए गए हैं– *

अताउर रहमान :- एयरकंडीशनर
अभिषेक कुमार :- छड़ी
अमन कुमार :- चूड़ियाँ
मो आशिक :- बैटरी टॉर्च
मो इरफान आलम :- बेंच
जमुना प्रसाद :- बिस्कुट
मो तनवीर अख्तर :- बक्सा
मो तौफीक आलम :- ईंटें
दिनेश कुमार :- बाल्टी
पप्पू कुमार यादव :- कैमरा
मो बशीर नेजामुद्दीन :- कारपेट
विरेंदर दास : सीसीटीवी कैमरा
राजवीर :- चपाती रोलर
राजेश कुमार :- चिमनी
राजेश कुमार रौशन :- नारियल फार्म
लक्ष्मी प्रसाद शुक्ला :- कम्प्यूटर माउस
विद्या सागर आर्य :- घन
शंकर प्रसाद :- हीरा
संजय कुमार :- डोली
संजय कुमार जायसवाल :- ड्रिल मशीन
सुदेश कुमार :- बिजली का खंभा
हिमांशु कुमार :- बाँसुरी

निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। सभी प्रत्याशियों को आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन नियमों का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया गया है।उल्लेखनीय है कि नगर परिषद क्षेत्र में मतदान 23 फरवरी 2026 (सोमवार) को प्रातः 7 बजे से अपराह्न 5 बजे तक संपन्न कराया जाएगा, जबकि मतगणना 27 फरवरी 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी। प्रशासन द्वारा आम मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए 50 एकड़ में बनेगा अंबेडकर विश्वविद्यालय

संवाददाता

- झारखंड सरकार ने जिला प्रशासन को दिया निर्देश
- अपर समाहर्ता ने अंचलाधिकारियों को भूमि उपलब्ध करवाने के लिए लिखा पत्र

चतरा: झारखंड के मुखिया हेमंत सोरेन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए डाक्टर भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय निर्माण की कवायद शुरू कर दी है। इस निमित उपायुक्त के पत्रांक 89/गो. दिनांक 04/02/26 के आदेश के आलोक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार ने पत्रांक 269 दिनांक 06/02/26 के तहत चतरा/कान्हाचट्टी/ईटखोरी/गिद्धौर और सिमरिया के अंचलाधिकारीयों को पत्र भेजकर दो दिनों के अंदर 50 एकड़ भूमि चिन्हित कर राजस्व प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए अपार समाहर्ता श्री कुमार ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से शोषितों वंचितों और गरीब बच्चों के पठन पाठन के लिए विश्वविद्यालय निर्माण का निर्देश दिया गया है। इसी निमित्त प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि भूमि उपलब्ध होने के पश्चात जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। आपको बताते चलें कि झारखंड सरकार राज्य में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चतरा, कोडरमा सहित कई जिलों में नए विश्वविद्यालय और स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय स्थापित कर रही है। इनमें चतरा में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, रांची में स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और सात जिलों (खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा) में संबद्ध विवि शामिल हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र की मरम्मत में घटिया सामग्री का उपयोग,ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

बिना प्राक्कलन राशि के मरम्मत कार्य, पारदर्शिता पर उठा गंभीर सवाल

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड के लेंजवा पंचायत के कोसमाही गांव में एनआरईपी विभाग की ओर से आंगनबाड़ी केंद्र की मरम्मत में अनियमितता का मामला सामने आया है। सरकार से मिले फंड का सही उपयोग नहीं किया जा रहा है।आंगनबाड़ी केंद्र में संवेदक के द्वारा भवन का जीर्णोद्धार में घोटाले का आरोप लगाते हुए सैकड़ों ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया है। ग्रामीणों का आरोप है की केंद्र में मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति कर सिर्फ पैसे उगाही की जा रही है। रंगाई पोताई कर योजनाओं का कोरम पूरा किया गया है। ग्रामीणों ने बताया की आंगनबाड़ी केंद्र में पांच दिन पूर्व लगी टाइल्स उखड़ने लगी है। सिर्फ बालू पर टाइल्स को चिपका दिया गया है । वही किचन में लगाया गया नल से अपने आप पानी रिसाव हो रहा है जिसे सीमेंट से बंद करने की कोशिश की गई है। प्लास्टर कही कही गिर रही है। वही ग्रामीणों ने कहा कि बिना प्राक्कलन बोर्ड लगाए मरम्मत कार्य किया गया है, जिससे काम की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। अभी तक किसी अभियंता के द्वारा भी जांच नहीं की गई है।ग्रामीणों ने इसकी सूचना लेंजवा पंचायत मुखिया को दी।सूचना मिलने के बाद लेंजवा पंचायत मुखिया योगेंद्र यादव ने जब आंगनबाड़ी मरम्मत किए गए कार्य को देखा तो वे भी दंग रह गए।उन्होंने पाया कि वहां मरम्मत के नाम पर सिर्फ पैसों का बंदरबांट किया जा रहा है। मुखिया ने बताया कि ग्रामीणों की आंखों में धूल झोंका जा रहा है। संवेदक के द्वारा अभी तक प्राक्कलन राशि अंकित नहीं किया गया है, इससे साफ पता चलता है ग्रामीणों को गुमराह कर केंद्र मरम्मत कार्य पूर्ण किया गया है। फर्श में सिर्फ घटिया किस्म के टाइल्स लगाकर खानापूर्ति की है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि कार्य में पारदर्शिता नहीं बरती गई तो वे व्यापक आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सरकारी धन का दुरुपयोग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर जांच करने एनआरईपी विभाग के कार्यपालक अभियंता देवशरण भगत आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे जहां उनके सामने ग्रामीणों ने विरोध किया।

लौटती ठंड ने ली एक व्यक्ति की जान , प्रशासन से मदद की गुहार

संवाददाता

चतरा: जिले में लौटती ठंड ने एक गरीब परिवार पर कहर बरपा दिया। गंदौरी मंदिर स्थित यात्री शेड में रात बिताने वाले एक व्यक्ति की ठंड लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान शहर के जतहीबाग मोहल्ला निवासी शिवा केशरी के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, शिवा केशरी गुरुवार की रात गंदौरी मंदिर के पास बने यात्री शेड में सोया हुआ था। शुक्रवार की सुबह जब राहगीर और बस स्टैंड पहुंचने वाले यात्रियों की नजर उस पर पड़ी तो लोगों ने पहले उसे सोया हुआ समझा। लेकिन काफी देर बीत जाने और दिन चढ़ जाने के बाद भी जब वह नहीं उठा तो लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद लोगों ने उसे हिलाकर देखा तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है।घटना की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी दौरान मौजूद एक व्यक्ति ने मृतक की पहचान शिवा केशरी के रूप में की। सूचना मिलने पर उसके परिजन भी मौके पर पहुंचे। मृतक के पुत्र सचिन कुमार और स्थानीय समाजसेवियों ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। परिजनों का कहना है कि आर्थिक तंगी के कारण शिवा को खुले स्थानों पर रात गुजारनी पड़ती थी, जिसके कारण वह ठंड की चपेट में आ गया।यह घटना एक बार फिर गरीबों की मजबूरी और ठंड से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की सच्चाई को उजागर करती है। स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने प्रशासन से मांग की है कि ठंड के मौसम में गरीब और असहाय लोगों के लिए कंबल और रैन बसेरा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव में इस बार दिखेंगे कई रंग

- बक्सा डैम में आयोजित होगा वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स इवेंट
- महोत्सव में शामिल किया गया है फैशन शो और मूवी स्क्रीनिंग
- विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक दल अपने अपने प्रदेशों का लोकप्रिय नृत्य करेंगे प्रस्तुत
- नामचीन कलाकारों में गायक कैलाश खेर का कार्यक्रम लगभग तय

संवाददाता

चतरा: जिले में हिंदू, जैन व बौद्ध तीनों धर्मों के धर्मावलंबियों के लिए आस्था व विश्वास का केंद्र मां भद्रकाली मंदिर परिसर में पिछले 10 वर्षों से आयोजित हो रहे तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव को इस बार खास बनाने के लिए जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन समिति पुरी तन्मयता से लगी हुई है। इस बार के महोत्सव को गत वर्षों के महोत्सव से थोड़ी अलग और आकर्षक बनाने की योजना तैयार की गई है। महोत्सव में लोगों को कई अलग रंग देखने को मिलेगा। इस बार के महोत्सव में कई नए इवेंट जोड़े गए हैं, जो महोत्सव को खास बना देगा। यहां बताते चले कि वर्ष 2015 में तत्कालीन सांसद सुनील कुमार सिंह की सार्थक पहल पर पहली बार इटखोरी महोत्सव का आयोजन कराया गया था। इसके बाद वर्ष 2016 में झारखंड सरकार के कला, पर्यटन

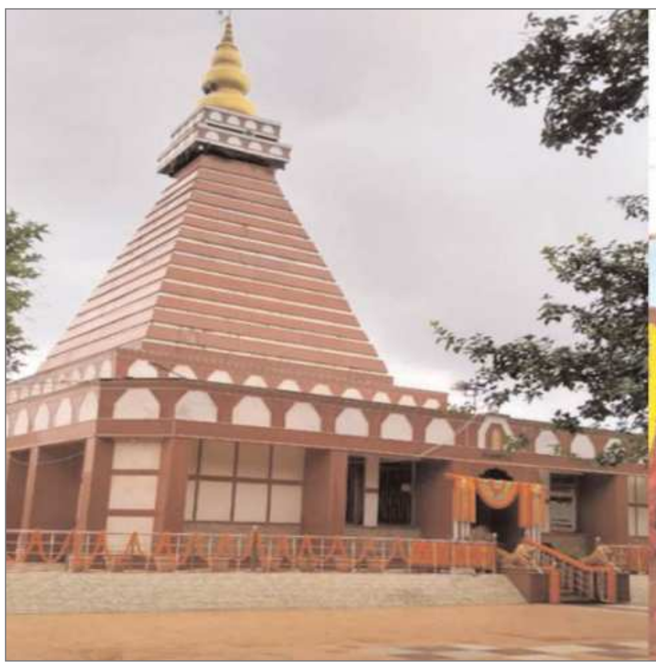

व सांस्कृतिक विभाग ने इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा प्रदान किया। इसके बाद से प्रत्येक वर्ष 19,20 व 21 फरवरी को यह महोत्सव राजकीय महोत्सव के रूप में मनाया जाता है। पर्यटन विभाग ने महोत्सव के लगभग एक करोड़ रुपए का वजट निर्धारित कर रखा है।

वाटर एंडवेचर, फैशन शो और ड्रोन शो महोत्सव में लगाएगा तड़का : तीन दिवसीय इटखोरी महोत्सव के इस मंच पर अब तक देश के कई नामी गिरामी कलाकारों ने अपनी गायकी से लोगों को मंत्रमुग्ध किया है। कुमार सानू, अनुराधा पौडवाल, अनूप जलोटा, कल्पना पटवारी, सोना महापात्रा, शहनाज अख्तर, मालनी अवस्थी, शब्बीर कुमार, भरत ब्यास, पवन सिंह सरीखे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी है। लेकिन इस बार महोत्सव में वाटर एडवेंचर, रॉक क्लाइबिंग, फैशन शो, मूवी स्क्रीनिंग और ड्रोन शो आदि नए प्रयोग किए जा रहे हैं। वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए इटखोरी प्रखंड के बक्सा डैम का चयन किया गया है। वाटर एडवेंचर में पारा सिलिंग व पारा मोटरिंग का प्रदर्शन किया जाएगा। रॉक क्लाइबिंग के लिए महोत्सव स्थल पर आर्टिफिशियल रॉक बनाया जाएगा। फैशन शो के लिए राज्य के माडलों के साथ साथ चतरा कॉलेज व हजारीबाग के एक कॉलेज के 18 युवक युवतियां का चयन किया गया है। ड्रोन शो के लिए भी विशेष तैयारी की जा रही है। ड्रोन शो में 500 ड्रोन को शामिल किया जाएगा। महोत्सव में डिजिटल मूवी स्क्रीनिंग भी जोड़ा गया है।

केरला, कर्नाटक और उड़ीसा का कल्चर भी दिखेगा महोत्सव में : तीन दिवसीय इटखोरी महोत्सव के मंच पर इस बार झारखंडी नृत्य पाइका और छऊ के साथ साथ यूपी, केरल, कर्नाटक व उड़ीसा के सांस्कृतिक दलों के द्वारा अपने अपने प्रदेशों के प्रसिद्ध गीत व नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। यूपी की टीम कत्थक, कर्नाटक की टीम अक्सोगाण, उड़ीसा की टीम गोतीपूवा व उड़सी तथा केरला की टीम कलरीपयटू व थैयम नृत्य की प्रस्तुति करेंगे। इस बार के महोत्सव में वॉलिवुड के भी कई नामी गिरामी कलाकारों को भी बुलाने की बात चल रही है। इसमें गायक कैलाश खेर का नाम लगभग तय हो चुका है। उन्होंने महोत्सव में आने की सहमति दे दी है।

16 वर्षीय किशोर की बेरहमी से हत्या

प्रेम संबंध में रंजिश को लेकर की गयी हत्या , दो गिरफ्तार

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में 16 साल के एक किशोर की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक का शव एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट से बरामद किया गया था, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी।

मुख्य आरोपी है 24 वर्षीय शाहिद अंसारी

यह घटना लाजपत नगर इलाके की है। बुधवार को पुलिस ने एक निर्माणाधीन अपार्टमेंट से किशोर का शव बरामद किया था। शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और मृतक के परिजनों में भारी गुस्सा देखा गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस मामले का मुख्य आरोपी 24 वर्षीय शाहिद अंसारी है। पुलिस ने तकनीकी जांच और स्थानीय जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी (सिटी) परस राणा ने बताया कि पूछताछ के दौरान शाहिद अंसारी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि उसका मृतक की बहन के साथ प्रेम संबंध था। 15 जनवरी को वह लोहरदगा में लड़की से मिलने गया था, जहां लड़की के परिजनों ने उसे पकड़ लिया और कथित तौर पर उसकी पिटाई कर दी।

मामले में आगे की जांच जारी है

इस घटना से शाहिद खुद को अपमानित महसूस कर रहा था और तभी उसने बदला लेने की योजना बना ली। पुलिस के अनुसार, शाहिद ने अपने साथियों के साथ मिलकर किशोर की हत्या की साजिश रची। उसने मृतक को काम दिलाने के बहाने बुलाया। जैसे ही किशोर तय जगह पर पहुंचा, आरोपियों ने उस पर चाकू और डंडे से हमला कर दिया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को छिपाने के लिए निर्माणाधीन इमारत में फेंक दिया गया। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और डंडा बरामद कर लिया है। इसके साथ ही घटना के समय आरोपियों द्वारा पहने गए कपड़े भी जब्त किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है। अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

झारखंड पहुंचा अजित पवार का अस्थि कलश

रांची में पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ किया गया शांति पाठ

रांची: महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ राजनीतिक नेता स्वर्गीय अजित पवार के अस्थि कलश का झारखंड आगमन उनके परिवार और करीबी संबंधों का प्रतीक बना। रांची में पूरे सम्मान, श्रद्धा और धार्मिक विधि-विधान के साथ शांति पाठ और अस्थि विसर्जन कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्वर्गीय अजित पवार के अस्थि कलश को उनके सुपुत्र पार्थ पवार द्वारा झारखंड भेजा गया। यह अस्थि कलश दिल्ली से अनिल वर्मा द्वारा स्वयं झारखंड लाया गया, जिसे झारखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह को पूरे सम्मान और श्रद्धा भाव के साथ सौंपा गया। बताया जाता है कि स्वर्गीय अजित पवार और सिंह परिवार के बीच वर्षों से केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि पारिवारिक और आत्मीय संबंध रहे हैं।

होली पर रांची और टाटानगर से चलेंगी पांच स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची से होली के अवसर पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए भारतीय रेलवे ने तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। इससे प्रवासी मजदूरों, छात्रों और नौकरीपेशा यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

रांची रेल मंडल से कुल तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनमें रांची-गोरखपुर-रांची, रांची-अजमेर-रांची और रांची-जयनगर-रांची शामिल हैं। वहीं, टाटानगर रेल मंडल से भी दो स्पेशल ट्रेनें टाटानगर-किशनगंज-टाटानगर और टाटानगर-बक्सर-टाटानगर के बीच संचालित की जाएंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, होली के दौरान बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर, छात्र और नौकरीपेशा लोग अपने गृह नगरों की ओर प्रस्थान करते हैं, जिससे नियमित ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का फैसला लिया गया है रेल प्रशासन ने आज यह भी स्पष्ट किया है कि यदि त्योहार के दौरान यात्रियों की संख्या में और इजाफा होता है, तो अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों के संचालन पर भी विचार किया जाएगा। रेलवे लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मतदाताओं की खामोशी से बढ़ी प्रत्याशियों की धड़कनें, वार्ड चुनाव में किसके चेहरे पर खिलेगी

गुलाम शाहिद

रांची: वार्ड नंबर 15 में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। क्षेत्र की प्रमुख प्रत्याशी आसिया खालिक, मुस्कान परवीन एवं कौसर परवीन इन दिनों जनसंपर्क अभियान में सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। तीनों प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं से मुलाकात कर समर्थन की अपील कर रही हैं और अपने-अपने विकास कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं को जनता के सामने रख रही हैं।

हालांकि, चुनावी प्रचार के बीच मतदाताओं की खामोशी ने मुकाबले को और रोचक बना दिया है। क्षेत्र में किस प्रत्याशी को अधिक समर्थन मिल रहा है, इसका स्पष्ट संकेत फिलहाल नहीं मिल पा रहा है। इस स्थिति ने चुनावी प्रतिस्पर्धा को और भी दिलचस्प बना दिया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वार्ड नंबर 15 का यह चुनाव परिणाम के लिहाज से चौंकाने वाला हो सकता है, क्योंकि मतदाता अभी तक खुलकर अपनी पसंद जाहिर नहीं कर रहे हैं। मतदान के दिन ही तस्वीर साफ होगी कि किस प्रत्याशी की रणनीति और जनसंपर्क अभियान ने जनता का विश्वास जीता।

फिलहाल, वार्ड नंबर 15 में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म है और सभी प्रत्याशी अंतिम समय तक पूरी ताकत के साथ मैदान में डटी हुई हैं। अब क्षेत्र की जनता के फैसले पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव परिणाम चौंकाने वाला हो सकता है, क्योंकि मतदाता खुलकर अपनी पसंद जाहिर नहीं कर रहे हैं। मतदान के दिन ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कौसर परवीन, मुस्कान परवीन या आसिया खालिक के चेहरे पर जीत की मुस्कान सजेगी?

रांची मेयर चुनावः नाम वापसी के बाद बचे 11 प्रत्याशी

जेएमएम, कांग्रेस और भाजपा में त्रिकोणीय मुकाबले के संकेत

संवाददाता

रांची: नगर निकाय चुनाव के तहत रांची नगर निगम के मेयर पद के लिए शुक्रवार को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई। स्क्रूटनी के बाद जहां कुल 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे, वहीं अंतिम तिथि तक 8 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद अब मेयर पद के लिए 11 प्रत्याशी शेष रह गए हैं।

मुख्य मुकाबला तीन प्रमुख दलों के बीच

हालांकि मैदान में 11 प्रत्याशी मौजूद हैं, लेकिन चुनावी संघर्ष मुख्य रूप से तीन प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच सिमटता दिखाई दे रहा है। भाजपा ने रोशनी खलखो को समर्थित प्रत्याशी बनाया है, कांग्रेस ने रमा खलखो को मैदान में उतारा है, जबकि झामुमो ने सुजीत विजय आनंद कुजूर को मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किया है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में मुकाबला रोशनी, रमा और सुजीत के बीच होने की संभावना जताई जा रही है।

आदिवासी वोट बैंक पर असर डाल सकता है आजसू प्रत्याशी

इस चुनाव में आजसू समर्थित प्रत्याशी सुरेंद्र लिंडा भी मैदान में बने हुए हैं। उनकी मौजूदगी से आदिवासी वोट बैंक को लेकर मुकाबला और दिलचस्प होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वहीं, नाम वापसी के बाद भाजपा के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान भी काफी हद तक शांत हो गई है। पार्टी लाइन से अलग चल रहे भाजपा से जुड़े राजेंद्र मुंडा, सुनील फकीरा कच्छप और संजय टोप्पो ने अपना नामांकन वापस लेकर पार्टी नेतृत्व को राहत दी है।

इसी तरह झामुमो ने भी पार्टी अनुशासन का पालन कराते हुए बगावत करने वाले कार्यकर्ताओं को मनाने में सफलता हासिल की है। कथरीना तिर्की, रामशरण तिर्की, अजीत लकड़ा, सुजीत कुमार कुजूर और बीरू तिर्की ने मेयर पद के लिए दाखिल अपने नामांकन वापस ले लिए हैं।

राजनीतिक तस्वीर लगभग साफ

नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही रांची मेयर चुनाव की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट हो गई है। अब आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार तेज होने और सियासी सरगर्मी बढ़ने की संभावना है।

सांसद पुत्र को कड़ी चुनौती

राजनीतिक वादों से काम नहीं चलेगा, जमीनी स्तर पर काम करने वाला प्रतिनिधि चाहिए

मेट्रो रेज

रांची: राज्यसभा सांसद महुआ माजी द्वारा अपने बेटे सोमवित माजी को वार्ड पार्षद के चुनाव मैदान में उतारने के बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, इस बार जनता का मूड बदला हुआ नजर आ रहा है। क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मतदाताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है, जिसका सीधा असर चुनावी माहौल पर पड़ रहा है।

चुनावी प्रचार के दौरान सांसद पुत्र को लोगों के तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। वार्ड 18 में वर्षों से पानी और बिजली की समस्या बनी हुई है, वहीं टूटी सड़कों पर रोजमर्रा की जिंदगी संघर्ष बन चुकी है। नागरिकों का कहना है कि अब केवल राजनीतिक वादों से काम नहीं चलेगा, उन्हें जमीनी स्तर पर काम करने वाला प्रतिनिधि चाहिए।

वार्ड 18 के मतदाताओं ने स्पष्ट संकेत दिया है कि इस बार चुनाव मुद्दों पर लड़ा जाएगा, न कि राजनीतिक रसूख पर। लोगों का कहना है कि अब सत्ता का नहीं, सेवा का दौर है। क्षेत्र में स्वच्छ छवि और ईमानदार प्रत्याशी को ही समर्थन देने की बात खुलकर सामने आ रही है। चुनाव परिणाम चाहे जो हों, लेकिन इस बार जनता का रुख साफ है–विकास और जवाबदेही ही प्राथमिकता होगी।

रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

दूसरे दिन भी चला सघन जांच अभियान

रांची: रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के मामले में पुलिस और बम निरोधक दस्ता लगातार सतर्क है। धमकी के दूसरे दिन भी रांची पुलिस और बम स्क्वॉड की टीम ने पूरे सिविल कोर्ट परिसर की गहन जांच की। इस दौरान जिला जज कार्यालय, सीजेएम कोर्ट समेत न्यायिक परिसर में स्थित तमाम न्यायालय भवनों और आसपास के इलाकों को खंगाला गया।

बम निरोधक दस्ता अत्याधुनिक उपकरणों के साथ मौके पर मौजूद रहा और संदिग्ध स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि, जांच के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है, जिससे पुलिस ने फिलहाल राहत की सांस ली है।

ई-मेल के जरिए दी गई थी धमकी : उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिविल कोर्ट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक संदेश भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। धमकी की सूचना मिलते ही रांची पुलिस हरकत में आ गई और कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत कड़ा कर दिया गया।

सुरक्षा व्यवस्था सख्त, निगरानी बढ़ीः धमकी के बाद से कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस की टीमें संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर रही हैं और सुरक्षा जांच के बाद ही लोगों को परिसर में प्रवेश दिया जा रहा है। इसके साथ ही पुलिस साइबर सेल भी धमकी भरे ई-मेल की जांच में जुट गई है, ताकि भेजने वाले की पहचान की जा सके।

फिलहाल हालात सामान्य बताए जा रहे हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था को उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

राष्ट्रीय आदिवासी समाज सरना धर्म रक्षा अभियान

जंतर-मंतर पर धरना समेत लिये गये कई निर्णय

मेट्रो रेज

रांची: राष्ट्रीय आदिवासी समाज सरना धर्म रक्षा अभियान के तत्वावधान में सरना संगठनो की विशेष बैठक पिस्का मोड़ रांची में 17 फरवरी 2026 को जंतर-मंतर में धरना समेत कई निर्णय लिया गया ।

बैठक का अध्यक्षता केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने की । बैठक में केंद्र से सरना धर्म कोड की मांग के लिए 17 और 18 फरवरी 2026 को विभिन्न राज्यो के प्रतिनिधि सभा एवं जंतर-मंतर में सत्याग्रह सह धरना आयोजित होगी और इसके मध्यम से दिल्ली में सरना धर्म कोड की मांग को लेकर दस्तक दी जाएगी । इस दौरान भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, जनजातीय मामले के मंत्री को स्मार पत्र दिया जाएगा।

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि देश की लगभग एक करोड़ सरना धर्मावलम्बी अब प्रतिबद्ध है कि सरना धर्म कोड जनगणना परिपत्र में शामिल हो और समस्त भारत के आदिवासीयो को धार्मिक पहचान और आजादी दे अन्यथा देश में धार्मिक क्रन्ति होगा और इसका सीधा राजनीतिक प्रभाव भी दिखेगा।

बैठक में राजेश उरांव, बिनोद उरांव, मनोज उरांव, शांति तिर्की, अनिता उरांव, सती तिर्की, मंगरी उरांव, फुलो उरांव, मनोज लकड़ा, सुशीला उरांव, इन्दु उरांव इत्यादि उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा, (पंचायत शाखा)

आदेश

नगरपालिका आम निर्वाचन, 2026 के निमित दिनांक 07–02–2026 को प्रतीक आवंटन के साथ प्रपत्र–9 में अभ्यर्थियों की सूची के उपरान्त झुमरी तिलैया नगर परिषद (वर्ग–ख), कोडरमा नगर पंचायत, डोमचाँच नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद पद के अभ्यर्थियों के द्वारा **सभा/जुलूस/रैली/ध्वनि विस्तारक यंत्र/ प्रचार वाहन आदि के लिए** अनुमति प्रदान करने हेतु अधियाचना समर्पित की जायेगी।

अतः कार्यहित में **अनुमण्डल पदाधिकारी, कोडरमा** को झुमरी तिलैया नगर परिषद (समूह ख), कोडरमा नगर पंचायत, डोमचाँच नगर पंचायत क्षेत्र के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद पद के सभी अभ्यर्थियों को **सभा/जुलूस/रैली/ध्वनि विस्तारक यंत्र/ प्रचार वाहन आदि के लिए** अनुमति प्रदान करने का आदेश दिया जाता है। इस कार्य का संधारण आदर्श आचार संहिता कोषाग के स्तर से किया जायेगा और अनुमण्डल पदाधिकारी, कोडरमा इस निमित आवश्यक तैयार सुनिश्चित करेंगे।

ह0/–
जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)
–सह–उपायुक्त, कोडरमा

PR 372484 Panchayati Raj(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

तुम अकेले नहीं हो..

25-26 वर्ष पूर्व समाज ग्लोबलाइजेशन के प्रभाव में आज जितना नहीं था, कुछ शुरूआत हो गई थी पर प्रभाव न्यूनतम था। मोबाइल फोन कुछ एक बड़े लोगों के पास हुआ करता था। स्मार्टफोन का तो नामोनिशान नहीं था। इंटरनेट घरों से बाहर यानी कुछेक साइबर कैफे और बड़े ऑफिसों में अपने बीज बो चुका था। टेक्नोलॉजी भी सामान्य रूप में बड़ों की पहुंच में हुआ करती थी। मल्टीप्लेक्स, मॉल इन सबका तो कोई स्थान ही नहीं था। सिंगल थिएटर और मेले मनोरंजन के साधन हुआ करते थे। कोई नई फिल्म आने पर शहर के प्रमुख चौराहों पर उस फिल्म के आकर्षक पोस्टर और बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए जाते थे।

अब बात यहीं से शुरू होती है। फिल्मों के पोस्टर हर प्रकार के होते थे, कुछ गरिमापूर्ण और कुछ आपत्तिजनक। ए सर्टिफिकेट प्राप्त पिक्चरों के भी होर्डिंग चौराहों पर दिख जाते थे। मैं अपने कुछ मित्रों के साथ नियमित मॉर्निंग वॉक पर जाया करता था, लगभग वही समय छोटे बच्चों के स्कूलों का भी होता है। अभिभावक अपने बच्चों को लेकर चौराहों पर स्कूल बस, टेंपो, रिक्शा के इंतजार में खड़े होते थे और स्वाभाविक है वैसे आपत्तिजनक होर्डिंग को देखकर असहज महसूस करते थे। नियमित वॉक के दौरान इस दृश्य को मैं और हमारे मित्र भी देखते थे, कुछेक बार प्रमुख लोगों से इसकी शिकायत भी की। तब मैं अपने दोस्तों से चर्चा के दौरान कहता था कि ए सर्टिफिकेट फिल्म देखने जाने के लिए तो सीमा निर्धारित की गई है पर इस होर्डिंग के सड़क पर लगे होने से छोटे से लेकर बड़े तक सभी देख रहे हैं। यह तो बच्चों के अधिकारों का हनन है और किस पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा, यह समझना कठिन है।

उस दौर की अच्छी बात यह थी कि आज की तुलना में अभिभावक व समाज के बड़े-बुजुर्ग बच्चों को अधिक समय देकर उनसे विचार-विनिमय और प्रेरक बातें साझा किया करते थे, साथ ही आज की तुलना में संयुक्त परिवार की परंपरा अधिक थी। इसलिए बच्चों के मन में क्या चल रहा है, उसका आभास बड़ों को हो जाया करता था। कल गाजियाबाद में तीन बच्चियों के नौवीं मंजिल से कूद कर जान देने की घटना ने मुझे यह पुरानी बात याद दिला दी।

आज घर-घर इंटरनेट, उस पर उपलब्ध हर प्रकार का कंटेंट और एकल तथा आत्म केंद्रित परिवार समाज के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।जिस प्रकार होर्डिग का बड़े-छोटे पर क्या असर होता था, इसका मूल्यांकन कठिन था पर उस दौर में न्यूनतम असर होने तथा तात्कालिक सामाजिक व्यवस्था के कारण उसके प्रभावों का समाधान किया जा सकना सरल था। वर्तमान परिस्थितियों के व्यापक प्रभाव और एकाकी जीवन शैली के दौर में समाधान अत्यंत कठिन है। मां-बाप काम पर चले गए, परिवार में बड़े-बुजुर्ग हैं नहीं। अगर कुछ हैं भी तो सब अपने-अपने में केंद्रित हैं। ऐसे में बच्चों के लिए बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो रही है। उनके लिए जानकारी और मनोरंजन के लिए इंटरनेट सबसे सरल-सुलभ माध्यम है, जिसपर पूरी दुनिया की संस्कृति, ज्ञान के साथ अच्छा-बुरा सभी कंटेंट मौजूद है।

अपने यहां कहावत है- ह्लकोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी।ह्ल इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री दुनिया के किसी स्थान की परिस्थिति, मनःस्थिति, देशकाल, उद्देश्य के हिसाब से सामयिक हो सकती है लेकिन जहां से आप एक्सेस कर रहे हैं, उस परिवेश के अनुकूल हो, यह नहीं कहा जा सकता। उद्देश्य का जिक्र मैंने इसलिए किया कि इंटरनेट ने पूरी दुनिया को बहुत बड़ा बाजार उपलब्ध कराया है और आईटी व मार्केटिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ व्यावसायिक होड़ में नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। वह जानते हैं कि सबसे जादा यूजर बच्चे एवं युवा हैं और वह उन्हें लेकर अपने प्रोजेक्ट बनाते हैं। नए-नए गेम, सोशल मीडिया व अन्य आकर्षक प्रलोभनों द्वारा बच्चों और युवाओं को प्रभावित करने का भरसक प्रयास करते हैं। बच्चे और युवा भी इन आकर्षणों में इतने गहरे उतर जाते हैं कि आभासी दुनिया ही उन्हें यथार्थ नजर आने लगती है और अंत में बहुत देर हो जाती है। अभिभावक के पास समय की कमी, समाज की एक-दूसरे के प्रति उदासीनता बच्चों पर नजर रखने में कुछ कमी लाती है। वहीं, इंटरनेट के माध्यम से एक वर्ग बच्चों पर नजर लगाए रहता है।

एल्गोरिदम तो आप जानते ही हैं, कोई कंटेंट आपने एक बार देख लिया तो वह कंटेंट और उससे संबंधित कंटेंट बार-बार आपके सामने दिखाई पड़ेगा और बार-बार आपके सामने जब कोई चीज आती है तो स्वाभाविक है उसके प्रति कौतूहलता जगाती है, वहीं हम भ्रम जाल में फंसते चले जाते हैं और फिर चक्रव्यूह से निकलना असंभव हो जाता है। बच्चे भी अपनी समस्याओं का समाधान पेरेंट्स की अनुपस्थिति में अपने हमउम्र साथियों से ही करने का प्रयास करते हैं जो स्वयं ही अभी पूरी तरह से किसी भी समस्या से उबरने के लिए तैयार नहीं है और बड़ों के पास समस्या के समाधान के लिए समय नहीं है। मैं तकनीकी का विरोधी नहीं हूं और बिना उसके अब दुनिया की कल्पना बेमानी है। आईटी ने हम लोगों के जीवन को बहुत सरल किया है। एआई नए तरीके से उपयोगी बन रहा है। मेरा जोर केवल इस बात पर है कि सबसे उपयोगी काम मान बच्चों के साथ अधिकतम समय साझा करते हुए विचार-विमर्श करना और पारंपरिक जीवन मूल्यों का स्मरण कराते रहना सबसे जरूरी है। आभासी दुनिया के अतिरिक्त सामाजिक दुनिया और ऑनलाइन गेमिंग के अलावा ऑन फील्ड गेमिंग पर सभी अभिभावकों को ध्यान देना चाहिए। आत्मकेंद्रित और आत्ममुग्धता से ऊपर उठकर बच्चों को पारिवारिक, सामाजिक आयोजनों में उल्लासपूर्वक सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बच्चों पर आपका दबाव नहीं प्रभाव हो और वह तब होगा जब आप उनके साथ अधिकतम समय व्यतीत करेंगे। बच्चों को यह हमेशा सिखाते रहें कि ह्लबड़े भाग मानुष तन पावाह्ल यानी हमें मनुष्य देह बड़े भाग्य से प्राप्त हुई है। इस देह पर परिवार व समाज सभी का हक है और तुम अकेले नहीं हो।

अंत में -हे नाथ हम पर ऐसी कृपा हो, जीवन निरर्थक जाने ना पाए..।

बदलता बांग्लादेश, बढ़ता भारत-विरोध

भारत और बांग्लादेश के रिश्तों की पृष्ठभूमि ऐतिहासिक और भावनात्मक रही है। साल 1971 के युद्ध में भारत ने प्रत्यक्ष सैन्य और कूटनीतिक सहयोग देकर बांग्लादेश के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई थी। यही कारण है कि दशकों तक दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता बना रहा। शेख हसीना के नेतृत्व में साल 2009 से 2023 के बीच भारत और बांग्लादेश के संबंध अपने सबसे मजबूत दौर में पहुंचे।

दक्षिण एशिया की राजनीति में बांग्लादेश हमेशा से भारत का महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ोसी रहा है। साल 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर पिछले एक दशक तक दोनों देशों के रिश्ते सहयोग, विश्वास और साझा हितों की मजबूत नींव पर खड़े रहे, किंतु हालिया राजनीतिक घटनाक्रम विशेषकर शेख हसीना के सत्ता से हटने, उनके भारत आने और अंतरिम सरकार के गठन ने इस संतुलन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले

डॉ. मयंक

बांग्लादेश में भारत-विरोध एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभर रहा है, इससे क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों की पृष्ठभूमि ऐतिहासिक और भावनात्मक रही है। साल 1971 के युद्ध में भारत ने प्रत्यक्ष सैन्य और कूटनीतिक सहयोग देकर बांग्लादेश के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई थी। यही कारण है कि दशकों तक दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता बना रहा। शेख हसीना के नेतृत्व में साल 2009 से 2023 के बीच भारत और बांग्लादेश के संबंध अपने सबसे मजबूत दौर में पहुंचे। इस अवधि में दोनों देशों के बीच व्यापार कई गुना बढ़ा, सीमा विवादों का समाधान हुआ और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई को मजबूती मिली।

आंकड़ों के अनुसार, भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय व्यापार साल 2009 में लगभग 3 अरब डॉलर था, जो साल 2022-23 तक बढ़कर करीब 18 अरब डॉलर तक पहुंच गया। भारत, बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत ने बांग्लादेश को लगभग 8 अरब डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट भी दी, जिसके तहत सड़क, रेलवे, ऊर्जा और बंदरगाह परियोजनाओं पर काम हुआ।

इसके अलावा, सीमा समझौते के तहत साल 2015 में 162 एन्क्लेवों का आदान-प्रदान किया गया, जो दशकों पुराने विवाद का शांतिपूर्ण समाधान था लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद यह पूरा समीकरण तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। शेख हसीना के हटने और उनके भारत में शरण लेने की घटना ने बांग्लादेश की राजनीति में भारत को सीधे एक विवादित मुद्दा बना दिया है। जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) जैसे राजनीतिक दल हसीना को वापस भेजने की लगातार मांग कर रहे हैं। इस मांग को केवल एक कानूनी या राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि इसे भारत के खिलाफ राष्ट्रीय अस्मिता से जोड़कर पेश किया जा रहा है।

इसी के साथ, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं भी चिंता का विषय बन गई हैं। बांग्लादेश की कुल आबादी लगभग 17 से 18 करोड़ के बीच है, जिसमें हिंदुओं की संख्या लगभग 1.3 से 1.5 करोड़ मानी जाती है, यानी करीब 8-9 प्रतिशत। पिछले कुछ वर्षों में दुर्गा पूजा के दौरान मंदिरों पर हमलों, मूर्तियों को तोड़ने और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की कई घटनाएं सामने आई हैं। कुछ मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2021 से 2025 के बीच ऐसे मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इस बीच 100 से अधिक टारगेटेड हिंदू हत्याएं की गईं। इस्लामी अतिवादियों द्वारा घर जलाने, संपत्ति हड़पने और उसे नुकसान पहुंचाने की घटनाओं की बात करें तो आंकड़े बहुत भयंकर हैं, यह 10000 को पार कर चुके हैं।

हालांकि अंतरिम सरकार इन घटनाओं को सांप्रदायिक हिंसा मानने से बचती रही है और उन्हें व्यक्तिगत विवाद या स्थानीय झगड़ों का परिणाम बताती रही है, लेकिन इन घटनाओं से भारत में यह धारणा मजबूत हो रही है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कमजोर हो रही है और सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही।

अंतरिम सरकार के प्रमुख डॉ. मोहम्मद यूनुस और उनके सलाहकारों के हालिया बयानों ने भी भारत-बांग्लादेश संबंधों में दूरी की झलक दिखाई है। कई मौकों पर यह कहा गया कि बांग्लादेश को किसी छोटे देश की तरह न समझा जाए और वह अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने में सक्षम है। कुछ बयानों में यह भी संकेत दिया गया कि बांग्लादेश की आबादी और सामरिक स्थिति उसे क्षेत्र में एक मजबूत देश बनाती है। ऐसे में वह भारत से हर मोर्चे पर निपटने के लिए तैयार है- इस तरीके की सोच भारत को अप्रत्यक्ष रूप से धमकी देना भी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले इस तरह की बयानबाजी इस्लामी जिहादियों और कट्टर वादियों को भावनाओं को उभारने के लिए की जा रही है। भारत के खिलाफ लिए जा रहे कुछ अन्य फैसले और रुख भी इसी बदलाव की ओर इशारा करते हैं। व्यापारिक समझौतों की समीक्षा की बात उठ रही है। सीमा प्रबंधन को लेकर सख्ती बढ़ाई गई है। कुछ राजनीतिक संगठनों ने भारत के खिलाफ जनसभाएं और अभियान भी शुरू किए हैं। यह माहौल धीरे-धीरे ऐसे राजनीतिक नैरेटिव को जन्म दे रहा है जिसमें भारत को एक बाहरी प्रभाव और शत्रुदेश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक बड़ा पहलू धार्मिक और सामाजिक पहचान की राजनीति भी है। बांग्लादेश के संविधान में लंबे समय से धर्मनिरपेक्षता और इस्लामी पहचान के बीच संतुलन बना हुआ था लेकिन अब इस विषय पर नई बहस शुरू हो गई है। कुछ कट्टरपंथी संगठन देश को अधिक इस्लामी पहचान देने की बात कर रहे हैं, हालांकि अंतरिम सरकार ने साफ किया है कि शरिया कानून लागू करने की कोई योजना नहीं है। फिर भी अल्पसंख्यक संगठनों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के खिलाफ दिए जा रहे तीखे बयान सामाजिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। जब हिंदू-बौद्ध-क्रिश्चियन समुदाय से जुड़े संगठनों को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जाता है तब इससे देश के भीतर असुरक्षा का माहौल बनना स्वभाविक है। इसका असर भारत में भी महसूस किया जा रहा है क्योंकि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध गहरे हैं।

भारत के लिए यह स्थिति कूटनीतिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है। एक तरफ वह अपने पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता, दूसरी तरफ उसे वहां रहने वाले हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता भी है। इसके अलावा, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। भारत-बांग्लादेश के बीच लगभग 4096 किलोमीटर लंबी सीमा है जोकि भारत की सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में से एक है। इस सीमा की स्थिरता भारत की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। आर्थिक दृष्टि से भी दोनों देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं। बांग्लादेश भारत से पेट्रोलियम उत्पाद, कपास, मशीनरी और खाद्य सामग्री का बड़ा आयातक है। वहीं, भारत के लिए बांग्लादेश एक बड़ा निर्यात बाजार है। यदि राजनीतिक तनाव बढ़ता है तो इसका असर दोनों देशों के व्यापार पर पड़ सकता है। 12 फरवरी के चुनाव इस पूरे परिदृश्य को तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि चुनाव के बाद ऐसी सरकार बनती है जो भारत के साथ संतुलित और सहयोगपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहती है, तो वर्तमान तनाव कम हो सकता है।

भारत टैक्सी का भविष्य

इसकी स्थापना 6 जून 2025 को की गई। दावा है कि अपनी स्थापना के बाद से भारत टैक्सी दुनिया का पहला और सबसे बड़ा सहकारिता-आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म तथा विश्व का सबसे बड़ा ड्राइवर-स्वामित्व वाला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। अब तक लगभग चार लाख ड्राइवर भारत टैक्सी प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं और दस लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं।

दिल्ली एनसीआर और गुजरात में दो महीने के सफल ट्रायल के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने सहकारिता क्षेत्र की 8 बड़ी संस्थाओं के संयुक्त उपक्रम के रूप में सहकारिता आधारित टैक्सी सर्विस 'भारत टैक्सी' को आधिकारिक रूप से कल नई दिल्ली में लॉन्च कर दिया। दो साल में इस सेवा को पूरे देश में लागू करने का भी ऐलान हुआ है।

भारत टैक्सी बहु-राज्य सहकारी समितियां अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजीकृत भारत का पहला सहकारिता-नेतृत्व वाला राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है। इसकी स्थापना 6 जून 2025 को की गई। दावा है कि अपनी स्थापना के बाद से भारत टैक्सी दुनिया का पहला और सबसे बड़ा

गौरव अवस्थी

सहकारिता-आधारित राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म तथा विश्व का सबसे बड़ा ड्राइवर-स्वामित्व वाला मोबिलिटी प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। अब तक लगभग चार लाख ड्राइवर भारत टैक्सी प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं और दस लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं। लगभग 10 करोड़ की राशि अब तक सीधे ड्राइवरों में वितरित की जा चुकी है।

सहकारिता क्षेत्र की संस्थाओं का सर्विस सेक्टर में उतरना स्वागत योग्य कदम माना जाना चाहिए लेकिन 'सरकारी दखल' और 'सरकारी बैसाखी' सहकारिता आधारित इस सेवा को भी कहीं अन्य सेवाओं की तरह प्रभावित न करे, इसके पुख्ता प्रबंध शुरूआती चरण से ही सुनिश्चित किए जाने जरूरी हैं। यह बात इसलिए कि भारत टैक्सी सेवा को ओला, उबर एवं रैपीडो जैसी प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों टक्कर लेनी है और बेहतर सेवा देते हुए उपभोक्ता का भरोसा भी अर्जित करना है।

निजी क्षेत्र की कंपनियां जब सेवा या किसी भी क्षेत्र में अपनी सेवा या उत्पाद लेकर उतरती हैं तो मजबूत नेटवर्क का निर्माण अपनी लुभावनी योजनाओं के माध्यम से करती हैं। जैसे, राइड सर्विस को ही लें तो (जैसा-एक कैब ओनर ने बताया) ओला ने भारत में अपनी लॉन्चिंग के प्रारंभिक चरण में कैब मालिकों को 1 दिन में पांच राइड पर 1500 रुपये का अतिरिक्त बोनस देना शुरू किया। इस लालच में कैब मालिक ऑनलाइन राइड सर्विस से जुड़ते चले गए और भारत भर में इस सेवा का विस्तार होता गया। आज छोटे शहरों में भी बाइक राइड सर्विस मिलने लगी हैं। हालांकि अब बोनस बंद और कमीशन भी 15-20 फीसदी है लेकिन राइड बढ़ीं हैं। रेट कंपटीशन का असर कैबवालों की इनकम पर पड़ा है।

निजी क्षेत्र की कंपनियों की बढ़ती उपलब्धियों को देखते हुए ही प्रधानमंत्री मोदी के 'सहकार से समृद्धि' मंत्र को आत्मसात करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस क्षेत्र में 'सहकारी सेवा' शुरू कराई है। इसे एक अच्छा कदम माना जाना चाहिए लेकिन सरकार को 'बैसाखी' के बजाय सहकारी संस्थाओं को अपने दम पर इस सेवा को स्थापित करने का अवसर देना चाहिए। यह बात इसलिए कि बैसाखी चलने की हिम्मत तो देती है लेकिन 'सहारे' की गलत आदत भी डेवलप कर सकती है। ट्रायल पीरियड में ही भारत टैक्सी को बैसाखी थमा देने को किस रूप में देखा जाए, आप ही तय करें।

उदाहरण के लिए यहां एक 'ग्राहक' के रूप में अपनी आपबीती बताना जरूरी है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डा है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से हजारों लोगों की रोज आवाजाही होती है। भारत टैक्सी सर्विस को सफल बनाने के लिए सरकार ने जानबूझकर आईजीआई एयरपोर्ट पर ओला-उबर-रैपीडो के पिकअप पॉइंट कुछ दूर बनवा दिए ताकि ग्राहक भारत टैक्सी राइड लेने को मजबूर हो। ट्रायल के दौरान ही भारत के इस सबसे व्यस्ततम हवाई अड्डे पर सरकार की तरफ से बैसाखी के रूप में एयरपोर्ट के बाहर टैक्सी की सुविधा दिल्ली पुलिस से लेकर भारत टैक्सी को दे दी गई। इसके पीछे शायद सोच यही होगी कि पिकअप पॉइंट दूर होगा तो मजबूर होकर लोग भारत टैक्सी का सहारा लेंगे और ऐसा हो भी रहा। आमतौर पर ऑनलाइन राइड बुक करने के अधिकतम पांच मिनट में टैक्सी पिकअप पॉइंट पर पहुंच जाती थी लेकिन भारत टैक्सी सर्विस लॉन्च होने के बाद ऐसा नहीं है। एयरपोर्ट के बाहर अब ओला, उबर और रैपीडो की बुकिंग पर टैक्सी में औसत 20 से 25 मिनट लग रहे हैं। कभी-कभी तो जाम की समस्या बता कर निजी कंपनियां ग्राहक को तीन-चार सौ मीटर आगे धौलाकुआं चौराहे तक सामान लेकर आने को कहती हैं। अब आप समझ सकते हैं कि लगेज के साथ इतनी दूर कौन पैदल जाएगा?

मेरी समझ में ऐसा सिर्फ इसलिए कि उपभोक्ता मजबूर होकर भारत टैक्सी बुक कराए। उपभोक्ता को ट्रायल पीरियड में ही मजबूर करना कहीं से भी सही नहीं माना जा सकता। यह इसका एक पहलू है। दूसरा पहलू भी काबिलेगौर है। अभी हाल में ही एयरपोर्ट से गुरुग्राम के लिए उबर ऐप पर टैक्सी बुक करने के दौरान 650 रुपए किराया शो कर रहा था लेकिन भारत टैक्सी ने उसी डेस्टिनेशन का 900 रुपये चार्ज किया। खेल इसी बढ़े हुए किराए का है। मौज सहकारिता की और भरण उपभोक्ता-सारथी दोनों का। नई दिल्ली में लांचिंग के दौरान यह दावा किया गया कि सारथी से मालिक से कमीशन नहीं कटेगा लेकिन हकीकत यह नहीं है। एयरपोर्ट से होने वाली हर बुकिंग पर कैब मलिक को 10% कमीशन काटकर ही भुगतान मिलना है और एयरपोर्ट का पार्किंग शुल्क उपभोक्ता की जेब से जाना है। यह बात भारत टैक्सी सर्विस देने वाले ड्राइवर ने हमसे खुद साझा की। एमसीडी का प्रवेश शुल्क भी सारथी के हिस्से।

हमें गंतव्य तक ले जाने वाले ड्राइवर का यह दर्द सरकार को जरूर सुनना चाहिए। ड्राइवर के कथनानुसार, एयरपोर्ट पर टैक्सी बुकिंग राशि काउंटर पर कैश जमा कराई जाती है और कैब मालिक को 10-15 दिन बाद भुगतान की व्यवस्था। यह मेरी नहीं, कैब मलिक की ही आशंका है कि सहकारी संस्थाएं भुगतान में जानबूझकर विलंब कर रहीं होंगी ताकि इतने दिनों के ब्याज की रकम भी उनकी 'आय' बने। इस आशंका को निर्मूल करना भी 'अच्छी सर्विस' के लिए जरूरी है। इसके अलावा कैब ओनर के सामने अपने दिन-प्रतिदिन के खर्चे पूरे करने में दिक्कतें भी हैं। जबकि दावा यह है कि सहकारिता आधारित मोबिलिटी इकोसिस्टम में उत्कृष्ट में 'सारथी ही मालिक' के मूल सिद्धांत को और अधिक मजबूती मिलेगी। कैब मालिक पहले ही घटती आय और बढ़ते खर्च को लेकर चिंतित हैं। उनकी इस चिंता पर भी गौर किया जाना चाहिए।

बांके बिहारी जाने का प्लान है तो रुकें

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए इस समय हजारों लोग निकल रहे हैं। वहीं कई लोग नए साल के मौके पर मंदिर जाने का प्लान बना रहे हैं। नए साल की शुरूआत बांके बिहारी के दर्शन से हो जाए, तो इससे अच्छा और क्या होगा। वहीं प्रशासन ने भक्तों की सुरक्षा को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। वहीं साल के अंत में वंदावन में जिस तरह से श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिल रही है, ऐसे में लोगों से यह अपील की जा रही है कि नए साल में बांके बिहारी के मंदिर आने से बचें।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि यह एडवाइजरी किन लोगों के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। वहीं लोगों से कब तक सेफ्टी के लिए अपील की गई है। साथ ही अगर आप भी बांके बिहारी मंदिर जाने का प्लान कर रही हैं, तो आपको थोड़ा सा रुकना चाहिए।

जारी हुई एडवाइजरी

बता दें कि प्रशासन ने 29 दिसंबर से लेकर 05 जनवरी तक भक्तों को मंदिर न आने के लिए अपील किया था। हर साल नए साल के मौके पर लाखों की संख्या में भक्त बांके बिहारी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर में भीड़ बढ़ने की अधिक उम्मीद है। प्रशासन ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि जब ज्यादा जरूरी हो, तभी मंदिर आएं। मथुरा पुलिस ने भक्तों से अपील करते हुए कहा है कि रोजाना 4-5 लाख भक्त वृंदावन पहुंच रहे हैं। ऐसे में 31 दिसंबर से लेकर 01 जनवरी तक श्रद्धालुओं की संख्या अधिक बढ़ सकती है।

वृद्धों, बच्चों और बीमार लोगों के लिए ऐसी भीड़ में आना सुरक्षित नहीं है। क्योंकि इस दौरान ट्रैफिक भी अधिक है, इसलिए प्रयास करें कि इन भीड़भाड़ वाले दिनों में न आएं।

भीड़ में आने पर क्या होगा

मंदिर परिसर छोटा है, ऐसे में यहां पर एक साथ लाखों लोग दर्शन नहीं कर सकते हैं। हालांकि दर्शन की इच्छा में लोग आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, जिस कारण धक्का-मुक्की और दबाव महसूस हो सकता है। कमजोर और अस्वस्थ लोगों के लिए ऐसे समय में दर्शन के लिए आना सुरक्षित नहीं है।

भीड़ अधिक होने के कारण भक्तों को बांके बिहारी के दर्शन भी ठीक तरह से नहीं हो पाते हैं। क्योंकि वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मी लगातार लोगों को आगे बढ़ाते रहते हैं। भीड़ अधिक होती है, इसलिए आपको कुछ सेकेंड भी बांके बिहारी के सामने हाथ जोड़कर खड़े हो पाने तक का भी मौका नहीं मिल पाता है। घूमने के लिए यह काफी अच्छा है, लेकिन आपको अभी इंतजार करना चाहिए।

उमस, गर्मी या धक्का लगने से चक्कर, थकान या घबराहट जैसी समस्याएं बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अधिक हो सकती है। इसलिए ऐसे लोगों की भीड़ वाले समय से बचने की सलाह दी जाती है।

इस दौरान पर्स, मोबाइल, चश्मा या जूते खोने की घटनाएं भी सामने आती हैं। मंदिर के नियमों के हिसाब से कई चीजों को मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होती है।

मंदिर परिसर अपेक्षाकृत छोटा है, ऐसे में दर्शन की इच्छा में लोग आने बढ़ने का प्रयास करते हैं। तो इस दौरान आपको धक्का-मुक्की और दबाव महसूस हो सकता है।

टिप्स

मोटापा सिर्फ दिल का नहीं,दिमाग का भी दुश्मन

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती क्रॉनिक बीमारियों जैसे डायबिटीज, हृदय रोग और मेटाबॉलिज्म की समस्या के लिए खानपान और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सभी लोगों को अपने वेट को कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी है। बढ़ते वेट या हाई बॉडी मास इंडेक्स की स्थिति कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों का प्रमुख कारण पाया गया है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों का वेट अधिक होता है, उनमें हृदय से संबंधित बीमारियां, टाइप-2 डायबिटीज और आर्थराइटिस का खतरा तो रहता ही है। साथ ही मोटापे को दिमागी सेहत के लिए भी खतरनाक पाया गया है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक आज के समय में मोटापा एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। पहले इसको सिर्फ वयस्कों की समस्या माना जाता था, तो वहीं अब किशोर और बच्चे भी तेजी से मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। ज्यादा बढ़े वजन की स्थिति शरीर के कई अंगों और प्रणालियों को प्रभावित करता है। अगर समय रहते वेट को कंट्रोल नहीं किया जाए, तो इससे आपके सोचने-समझने, याददाश्त और निर्णय लेने संबंधित दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन लोगों का वेट अधिक होता है, उनमें भविष्य में अल्जाइर रोग-डिमेंशिया का खतरा भी अधिक देखा गया है।

डिमेंशिया का खतरा : एक अध्ययन के आधार पर दुनिया के जाने-माने हेल्थ एक्सपर्ट ने अलर्ट किया है कि वेट ज्यादा होने या मोटापे की वजह से व्यक्ति में डिमेंशिया का खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में अगर समय रहते वेट लॉस कर दिया जाए और बीपी को कंट्रोल कर लिया जाए, तो डिमेंशिया के लाखों मामलों को रोका जा सकता है।

एक अध्ययन में शोधकताओं ने बीएमआई और वैस्कुलर डिमेंशिया के बीच सीधा संबंध पाया है। दिमाग में खून के प्रवाह में कमी की वजह से वैस्कुलर डिमेंशिया होता है। यह दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और कोशिकाएं डेड होने लग जाती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

सभी पदाधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का करें पालन : डीसी

नगर निकाय चुनाव के सफल संचालन को लेकर मतदान पदाधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता

साहिबगंज:नगर निकाय आम निर्वाचन के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमंत सती ने आज उत्क्रमित उच्च विद्यालय, पुलिस लाईन परिसर में आयोजित मतदान पदाधिकारी प्रथम व द्वितीय के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बैलेट पेपर से मतदान कराने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। प्रशिक्षण की गुणवत्ता की समीक्षा की। उपायुक्त श्री सती ने उपस्थित मतदान पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया में सजगता निष्पक्षता एवं पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है।ताकि मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी को मतदान के दिन पूर्ण निष्ठा के साथ लागू करें।प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज कुल 276 मतदान पदाधिकारियों को मतदान की प्रक्रिया, बैलेट पेपर के उपयोग, मतदाता पहचान तथा मतदान से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुझू कुमार मिश्रा जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। जिला प्रशासन द्वारा नगर निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं।

उपायुक्त- सह- जिला दंडाधिकारी हेमंत सती ने किया जनता दरबार का आयोजन,कहा-

सभी आवेदनों का समाधान जल्द से जल्द करें

साहिबगंज :अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त श्री हेमंत सती ने जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपयुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें।साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

संवाददाता

साहिबगंज: बरहेट प्रखंड पंचकठिया बाजार पंचायत भवन में ग्रीनरी रांची के तत्वावधान में महिलाओं के लिए आयोजित पांच दिवसीय उद्यानिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफल समापन हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को उद्यानिकी और कृषि से जुड़ी आधुनिक तकनीकों से अवगत कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं को फल और फूलों की खेती,सब्जी उत्पादन,पौध संरक्षण,जैविक खेती और कीट-रोग नियंत्रण सहित अन्य कृषि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई।समापन अवसर पर महिलाओं को स्प्रे मशीन,प्रशिक्षण कार्ड और कृषि सामग्री सोल प्रदान की गई।साथ ही प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजन की भी व्यवस्था की गई।प्रशिक्षण में टैनर भोजाई सोरेन और ग्रीनरी के जिला समन्वयक विवेक कुमार ने महिलाओं को सरल भाषा में तकनीकी जानकारी साझा की और उन्हें अपने स्तर पर खेती और उद्यानिकी अपनाने के लिए प्रेरित किया। पंचायत क्षेत्र की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लिया।प्रमुख रूप से अंजू देवी,कामिनी देवी, देविका देवी, पुष्पा देवी,मधु देवी और सीता देवी ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन में एमडीए अभियान को लेकर कर्मियों को मिला व्यापक प्रशिक्षण

संवाददाता

साहिबगंजः 6 फरवरी को आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन में आगामी 10 से 25 फरवरी तक चलने वाले एमडीए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से टीम संख्या 75 से 96 तक की सभी आंगनवाड़ी सेविका आशा बेसरा, मामूनी साहू, सहिया दीदी एवं सहायिका दीदियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमपीडब्ल्यू वीरेंद्र ठाकुर द्वारा एमडीए अभियान के तहत दवाई खिलाने की प्रक्रिया, सावधानियां, लोगों को जागरूक करने के तरीके वॉल मार्किंग की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि एमडीए कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाने में फील्ड स्तर के कर्मियों की भूमिका सबसे अहम होती है।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एएनएम टेरेसा मुर्मू, संगीता कुमारी, सहिया साथी सजोनी मुर्मू, मेरी कर्मकार तथा सहिया पर्यवेक्षक बी.टी.टी.अवधेश कुमार भी मौजूद रहे। सभी ने कर्मियों को अभियान के दौरान पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।प्रशिक्षण के उपरांत दवाई वितरण कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उपस्थित सभी कर्मियों ने एमडीए अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और लक्ष्य को पूर्ण करने का संकल्प लिया ।

नया टोला में दो पक्षों के बीच मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत नया टोला में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट की घटना सामने आई है। इस घटना में दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक पक्ष के सत्यनारायण मंडल और दूसरे पक्ष के प्रभास कुमार मंडल के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुँच गया। घटना के बाद दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे के विरुद्ध नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस संबंध में थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एक पक्ष की कांड संख्या 22/26 व दूसरे पक्ष की 23/26 दर्ज की गई है।पुलिस पदाधिकारी दोनों मामलों की जांच में जुट गए हैं।

आम बजट विकास स्थिरता और सामाजिक संतुलन का बेहतर समन्वय प्रस्तुत करता हैः अनुराग

संवाददाता

साहिबगंजः केंद्र सरकार द्वारा संसद भवन में प्रस्तुत किए गए आम बजट को लेकर साहिबगंज शहर के युवा समाजसेवी सह भाजपा बजट अभियान के जिला सह संयोजक अनुराग राहुल ने इसे देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त करने वाला,रोजगारोन्मुख और जनकल्याणकारी बजट बताया है।उन्होंने कहा कि यह बजट वर्तमान आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विकास स्थिरता और सामाजिक संतुलन का बेहतर समन्वय प्रस्तुत करता है। समाजसेवी अनुराग राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किए गए इस बजट में आर्थिक विकास को गति देने,रोजगार सृजन,बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती कृषि और ग्रामीण विकास महिला सशक्तिकरण तथा मध्यम वर्ग को राहत देने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।उन्होंने कहा कि बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश,शहरी और ग्रामीण विकास,कौशल विकास, स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा, डिजिटल और तकनीकी नवाचार जैसे प्रावधान देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करेंगे।युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में उठाए गए कदम सराहनीय हैं।

ट्रेनों में लगातार सघन टिकट जांच अभियान

10 माह में 1.68 लाख मामले पकड़े गये,11.74 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व

संवाददाता

साहिबगंजः बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने और ईमानदार यात्रियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा स्टेशनों एवं ट्रेनों में लगातार सघन टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों का सकारात्मक और प्रभावशाली परिणाम सामने आया है।मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह के पर्यवेक्षण में अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक पूरे मंडल में व्यापक स्तर पर टिकट जांच अभियान संचालित किए गए। दस माह की अवधि में ट्रेनों एवं स्टेशन परिसरों में की गई नियमित जांच के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा से जुड़े कुल 1,68,389 मामले दर्ज किए गए, जिससे किराया एवं जुर्माने के रूप में 11.74 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ। तुलनात्मक रूप से, अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 की समान अवधि में मालदा मंडल द्वारा 1,07,091 मामले दर्ज किए गए थे, जिनसे 5.58 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार, वर्तमान अवधि में मामलों की संख्या में लगभग 57 प्रतिशत तथा राजस्व में लगभग 110 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। केवल जनवरी 2026 माह में ही किए गए सघन टिकट जांच अभियानों के दौरान 16,633 मामले पकड़े गए तथा 1.19 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया, जो अभियान की प्रभावशीलता को दशार्ता है।प्रवर्तनात्मक कार्रवाई के साथ-साथ मालदा मंडल द्वारा यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा करने हेतु जागरूक करने के लिए निरंतर जनजागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। यात्रियों को बिना टिकट यात्रा के दुष्परिणामों, भारी जुमार्ने, संभावित कानूनी कार्रवाई और यात्रा में होने वाली असुविधाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसके साथ ही यात्रियों को जैसे आधुनिक एवं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिससे टिकटिंग सहित विभिन्न रेलवे सेवाओं का लाभ आसानी से लिया जा सके और टिकट काउंटरों पर भीड़ में कमी आए।मालदा मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे अधिकृत माध्यमों से टिकट लेकर ही यात्रा करें।रेलवे नियमों का पालन करें तथा रेलवे कर्मचारियों का सहयोग करें ताकि सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित सुगम और परेशानी-मुक्त रेल यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

न्यूज IN ब्रीफ

शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम भक्ति भाव के साथ संपन्न

साहिबगंज/मंडरोः प्रखंड क्षेत्रक्षअंतर्गत उतरी महादेवरण के यूवराजेश्वर शिव मंदिर में शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को आचार्य लक्षण जी महाराज एवं काशी से आए आचार्य सौरभ मिश्रा,दिलिप पांडेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार कर किया गया।वहीं उत्तरी महादेववरण सहित आस-पास का क्षेत्र भक्तिमय हो गया।प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भगवान शिव माता पार्वती भगवान गणेश,कार्तिकेय एवं नंदी जी की प्रतिमाएं शामिल रहीं।आयोजकों ने बताया कि शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम भक्ति भाव के साथ संपन्न कराया गया। इस दौरान मंत्र उच्चारण के साथ प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कराया गया।कार्यक्रम में नटवर लाल गुप्ता,सिंटू चौरसिया,अरुण सिंह,बबलू मिश्रा,टिंकल साह जयगोपाल घोष,पवन वर्णवाल,मनोज जायसवाल राजकुमार मिश्रा,वृजबिहारी साह मनोज यादव हीरालाल यादव सहित कई श्रद्धालु एवं मंदिर से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाए जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

वनभोज सह कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन

साहिबगंज/बरहेटःप्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत पंचकठिया संथाली के मोरम नदी चुटिया पुल के पास झामुमो प्रखंड समिति की ओर से वनभोज सह कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया।इस वनभोज कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम,युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी,जिप अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री मोनिका किस्कू,जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी,पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरूल इस्लाम,जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम शामिल हुए।उक्त कार्यक्रम में प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांवों के प्रधानों को अतिथियों के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।एवं मुख्य अतिथियों को झामुमो प्रखंड समिति के पदाधिकारीयों द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान,निमाय चंद्र शील महेश साह लुखिराम हेंब्रम,सुनिराम हांसदा,पुसा टुडू शमीम अंसारी,गुंजन सिंघानिया,मोहम्मद अली,देव सोरेन,एजाज अंसारी,मिराज हक,मैनुल अंसारी जयप्रकाश ठाकूर बेला किस्कू सहित अन्य मौजूद थे।

मिर्जाचौकी में मैट्रिक व इंटर की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

साहिबगंज/मंडरोः प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय मिजाचौकी में शुक्रवार को झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।प्रथम पाली में मैट्रिक स्तर पर उर्दू भाषा की परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें कुल 09 परीक्षार्थी पंजीकृत थे और सभी 09 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा में कला संकाय के अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा हुई। जिसमें कुल 22 परीक्षार्थी शामिल हुए और सभी ने परीक्षा दी। परीक्षा केंद्र पर कदाचार मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। केंद्राधीक्षक एवं विद्यालय प्रशासन द्वारा निगरानी रखी जा रही थी, जिससे परीक्षा सुचारू रूप से संचालित हुई। स्थानीय प्रशासन एवं शिक्षकों ने परीक्षा के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया।

होली पूर्व रेलवे की विशेष ट्रेनों का तोहफा, साहिबगंज रूट के यात्रियों को राहत

साहिबगंजः होली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने इस वर्ष 94 होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य त्योहार में घर जाने वाले प्रवासी यात्रियों, परिवार से मिलने वालों और तीर्थयात्रियों को सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है रेलवे द्वारा जारी योजना के अनुसार कोलकाता, हावड़ा, सियालदह, मालदा टाउन और आसनसोल से विभिन्न दिशाओं में स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इनमें कोलकाता-रक्सौल बरौनी मार्ग कोलकाता-मधुबनी बरौनी मार्ग, कोलकाता-गोरखपुर पटना मार्ग, मालदा टाउन- आनंद विहार झाझा-किउलझगया मार्ग मालदा टाउनझउधना किउल-गया मार्ग मालदा-मुंबई किउल-पटना मार्ग जैसी प्रमुख सेवाएं शामिल हैं।

ये सभी मार्ग किउल, बरौनी और पटना जंक्शन से होकर गुजरते हैं, जिससे साहिबगंज लूप लाइन के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। साहिबगंज, बरहरवा, पाकुड़ और आसपास के क्षेत्रों के लोग इन जंक्शनों के जरिए इन ट्रेनों से जुड़ सकेंगे। सियालदह-पुरी स्पेशल ट्रेनों से तीर्थ यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। पूर्व रेलवे ने जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की भी बात कही है, जिससे होली में यात्रा आसान हो सके

डेविस कप: ब्रिटेन ने नॉर्वे को हराकर क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में बनाई जगह

एजेंसी

ओस्लो : ग्रेट ब्रिटेन ने डेविस कप क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। ओस्लो में खेले गए मुकाबले में ब्रिटेन ने नॉर्वे को 3-0 से हराया। निर्णायक डबल्स मुकाबले में जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल की जोड़ी ने 6-2, 2-6, 7-6(5) से जीत दर्ज कर ब्रिटेन की जीत पक्की की।

इस जीत के साथ अब ग्रेट ब्रिटेन का सामना डेविस कप क्वालिफायर्स के दूसरे दौर में इक्वाडोर या ऑस्ट्रेलिया से होगा। इस मुकाबले का विजेता नवंबर में होने वाले फाइनल-8 में जगह बनाएगा। क्वालिफायर्स के दूसरे दौर के मुकाबले सितंबर में खेले जाएंगे। लियोन स्मिथ की अगुआई वाली ब्रिटिश टीम को इस टाई को जीतने के लिए न्यूनतम मैच खेलने पड़े, क्योंकि नॉर्वे की टीम पहले से ही कमजोर नजर आ रही थी। बुधवार को विश्व नंबर-12 कैस्पर रूड के नाम वापस लेने के बाद नॉर्वे को अंडरडॉग माना जा रहा था। डबल्स में खेल की शीर्ष रैंकिंग जोड़ी कैश और ग्लासपूल को हालांकि कड़ी चुनौती मिली। नॉर्वे की अस्थायी जोड़ी निकोलाई बुडकोव क्यार और विक्टर दुरासोविक ने मुकाबले को निर्णायक टाईब्रेक तक खींच दिया, लेकिन अहम पलों में ब्रिटिश जोड़ी ने अपना दबदबा कायम रखा। इस टाई का सबसे ज्यादा इंतजार किया जा रहा मुकाबला पहला सिंगल्स मैच था, जिसमें ब्रिटेन के नंबर-1 खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने लंबे अंतराल के बाद कोर्ट पर वापसी की। अगस्त 2025 के बाद अपना पहला मुकाबला खेल रहे ड्रेपर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विक्टर दुरासोविक को सिर्फ 61 मिनट में 6-2, 6-2 से हरा दिया। ड्रेपर ने उस फॉर्म की झलक दिखाई, जिसकी बदौलत वह पिछले साल करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-4 रैंकिंग तक पहुंचे थे। इसके बाद कैम नॉरी ने 19 वर्षीय निकोलाई बुडकोव क्यार के खिलाफ 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। दूसरे सेट में 1-4 से पिछड़ने के बावजूद नॉरी ने दमदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दो मुकाबलों में बढ़त बनाने के बाद दूसरे दिन ब्रिटेन को सिर्फ एक जीत की जरूरत थी। एटीपी टूर की पिछले साल की नंबर-1 डबल्स जोड़ी कैश और ग्लासपूल ने निर्णायक सेट के टाईब्रेक में दबाव में बेहतरीन खेल दिखाते हुए 6-2, 2-6, 7-6(5) से जीत दर्ज कर टाई अपने नाम कर ली। टाई पहले ही तय हो जाने के बाद अंतिम मुकाबले में जैकब फर्नली ने निकोलाई बुडकोव क्यार के खिलाफ खेला और शानदार प्रदर्शन किया। फर्नली ने एक घंटे 16 मिनट में 3-6, 6-3, 10-7 से जीत दर्ज कर ब्रिटिश टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

चोट से वापसी पर विश्व कप की जिम्मेदारी संभालने को तैयार डेविड

कोलंबो : ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड टी20 विश्व कप के शुरूआती चरणों में धीरे-धीरे टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं, ताकि टूनामेंट के अहम मोड़ पर वह अधिकतम प्रभाव डाल सकें। हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे डेविड ने साफ किया है कि वह इस वैश्विक टूनामेंट में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हैं।

शुक्रवार को कोलंबो क्रिकेट क्लब ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र के दौरान डेविड ने अपनी चोट को लेकर किसी भी तरह की कमजोरी के संकेत नहीं दिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों और स्थानीय स्पिनरों के खिलाफ जमकर शॉट्स लगाए और गेंद को मैदान के हर कोने में पहुंचाया।

अभ्यास सत्र के दौरान डेविड और मार्कस स्टोइनिस की बल्लेबाजी इतनी आक्रामक रही कि दर्जनभर से अधिक गेंदें साईटस्क्रीन के पीछे स्थित जिमखाना क्लब लाउंज की छत पर जा गिरीं, जिससे वहां मौजूद स्टाफ और रिपोर्टर को बार-बार बचाव करना पड़ा।

यह अभ्यास सत्र ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका पहुंचने के बाद दूसरा सत्र था। इससे पहले नीदरलैंड्स के खिलाफ गुरुवार रात खेला जाने वाला अभ्यास मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जिसके बाद निर्धारित विश्राम दिवस को अभ्यास सत्र में बदला गया।

पूरी तरह फिट ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वार्शुइस और ट्रैवलिंग रिजर्व सीन एबॉट ने वह ओवर डाले, जो उन्हें रद्द हुए अभ्यास मैच में डालने थे। हालांकि, टिम डेविड के ताकतवर शॉट्स के सामने वे भी बेबस नजर आए।

डेविड ने आखिरी बार बॉक्सिंग डे पर होबार्ट हरिकेन्स के लिए बल्लेबाजी करते हुए हैमस्ट्रिंग चोट झेली थी, जिसके बाद से वह कोई मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हरिकेन्स के कप्तान नाथन एलिस भी अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं और उनके भी विश्व कप के शुरूआती चरण में वापसी करने की संभावना है। हालांकि, आयरलैंड के खिलाफ बुधवार को होने वाले ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप बी के पहले मुकाबले में डेविड और एलिस के खेलने को लेकर अभी संशय बना हुआ है। टीम अधिकारियों के अनुसार दोनों खिलाड़ी ह्लग्रुप स्टेज के लिए उपलब्ध होने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पुष्टि की कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टूनामेंट से पूरी तरह बाहर हो गए हैं, जबकि एडम जाम्पा को पहले मैच के लिए फिट घोषित किया गया है।

कोलंबो में क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बातचीत में डेविड ने कहा कि उनका टेंडन ह्लकाफी मजबूतह्व महसूस हो रहा है, हालांकि ग्रुप स्टेज के दौरान उन्हें संभालकर खिलाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे (11 फरवरी), सह-मेजबान श्रीलंका (17 फरवरी, सुबह 12:30 बजे एईडीटी) और ओमान (21 फरवरी, सुबह 12:30 बजे एईडीटी) से भी खेलेगा। शीर्ष दो टीमें सुपर आठ चरण में प्रवेश करेंगी।

एलिस, जिन्होंने अभ्यास मैच रद्द होने से पहले हल्का वार्म-अप किया था, ने भी संकेत दिए कि वह विश्व कप के लिए ह्लपूरी तरह तैयार हैं।

डेविड ने बताया कि वह श्रीलंका आने से पहले घर पर कुछ हफ्तों से बल्लेबाजी अभ्यास कर रहे थे और यहां दोनों अभ्यास सत्रों में उन्होंने रनिंग और फील्डिंग ड्रिल भी पूरी की हैं।

मजाकिया अंदाज में डेविड ने कहा, ह्लइन पिचों की हालत देखकर मुझे गेंदबाजी करने का मन है, लेकिन वे मुझे करने नहीं दे रहे ह्व

ऑस्ट्रेलिया के लिए 2022 में डेब्यू के बाद से सबसे तेज रन बनाने वाले टी20 बल्लेबाज डेविड अब नए रोल में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। 29 वर्षीय डेविड भारत में टी20 क्रिकेट में लगभग 170 के स्ट्राइक रेट से 32 का औसत रखते हैं, जहां क्वालिफाई करने पर ऑस्ट्रेलिया सुपर आठ और फाइनल मुकाबले खेलेगा।

डेविड ने कहा कि उन्हें पहले बल्लेबाजी के लिए भेजने का फैसला मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के समर्थन से लिया गया, ताकि उन्हें ह्लमैच पर ज्यादा असर डालने का मौकाह्व मिल सके।

उन्होंने कहा, ह्लमैं रन बनाना पसंद करता हूं। अगर मुझे ज्यादा गेंदें खेलने को मिलेंगी तो मैं ज्यादा चौके और छक्के लगा सकता हूं।

जल्द बड़ा एलान कर सकते हैं

गोविंदा

गोविंदा को स्क्रीन पर देखने के लिए बेकरार उनके प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। चीची जल्द कोई बड़ा एलान कर सकते हैं। वे सही स्क्रिप्ट के इंतजार में हैं। ऐसा उनके मैनेजर का कहना है। अभिनेता गोविंदा के प्रशंसक उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं। जल्द उनका यह इंतजार पूरा हो सकता है। गोविंदा कई ऑफर्स पर विचार करने में व्यस्त हैं। सही प्रोजेक्ट चुनने के लिए समय ले रहे हैं। एक्टर के मैनेजर शशि सिन्हा ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में गोविंदा के करियर ग्राफ के बारे में डिटेल्स शेयर करते हुए कहा कि उनके काम में कोई गिरावट नहीं आई है।

कई निर्माता और एक्टर दे रहे ऑफर

शशि सिन्हा ने आगे बताया, 'कई प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिससे वह बिजी हैं। एक समय था, जब गोविंदा एक साल में करोड़ों के प्रोजेक्ट छोड़ देते थे। आज अगर उन्हें कोई स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती, तो कोई बात नहीं। यह अलग बात है। कई प्रोड्यूसर और एक्टर भी उन्हें ऑफर दे रहे हैं, भले ही हाल के दिनों में उनकी कोई हिट फिल्म नहीं आई है। वह बस सही ऑफर का इंतजार कर रहे हैं'। शशि सिन्हा ने यह भी बताया कि गोविंदा अपने प्रोफेशन के हिस्से के तौर पर हाल के इवेंट्स में परफॉर्म कर रहे हैं।

गोविंदा और सुनीता के रिश्ते में मनमुटाव की खबरों को बताया निराधार

उन्होंने यह भी कहा कि गोविंदा आने वाले दिनों में एक बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकते हैं। शशि सिन्हा ने गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के बीच संभावित मनमुटाव की 'अफवाहों' पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उनके और उनकी पत्नी के बीच कोई समस्या है। आप सुनीता जी या गोविंदा जी से पूछ सकते हैं। वह अपनी पत्नी और बच्चों का ख्याल रख रहे हैं। ये अफवाहें निराधार हैं'।

कुछ दिन पहले गोविंदा ने तोड़ी थी चुप्पी

बता दें कि मैनेजर की तरफ से ऐसी टिप्पणी अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों के बीच अपने खिलाफ 'साजिश' से बचाने के लिए भगवान से प्रार्थना करने के कुछ दिनों बाद हुई। एएनआई से बात करते हुए गोविंदा ने कहा, 'यह दौलत और शोहरत किसी को नहीं छोड़ती और इस तरह की 'साजिशें' सबके साथ नहीं होतीं।

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड 'नया किराएदार' में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है। जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है।

'हसरतें सीजन 3' में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है।

स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने किया साइन

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी-मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों- 'लव नो भवाड़ो' और '3 चक्करम' में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, 'इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, ''वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया।

पर्दे पर 'हाउसवाइफ' का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट

पहली बार इस अभिनेता के साथ बनेगी जोड़ी!

आलिया भट्ट की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। निर्देशक अभिषेक पाठक की अगली फिल्म में आलिया हाउसवाइफ का किरदार निभा सकती हैं। आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी, जो अक्तूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं।

'हाउसवाइफ' के रूप में दिखेंगी आलिया?

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी। अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी।

अभिनेता को लेकर केआरके का बड़ा दावा; 68 साल में करेंगे हजार करोड़ की कमाई?

सनी देओल के नाम रहेगा साल 2026!

सनी देओल 68 साल की उम्र में भी लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं। इस साल की शुरुआत उन्होंने 'बॉर्डर 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म से की। अब सनी देओल को लेकर केआरके ने एक बड़ा दावा किया है।

अभिनेता और स्वघोषित फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान (केआरके) ने सनी देओल को लेकर एक बड़ा दावा किया है। केआरके के इस दावे के मुताबिक, 2026 पूरी तरह से सनी देओल के नाम रहने वाला है। कहीं न कहीं इसकी शुरुआत हालिया रिलीज 'बॉर्डर 2' के साथ हो भी चुकी है। 'बॉर्डर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्लॉकबस्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। जानते हैं केआरके ने सनी देओल को लेकर क्या दावा किया है?

68 साल की उम्र में एक हजार करोड़ की कमाई करेंगे सनी

केआरके ने एक्स पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अभिनेता सनी देओल को लेकर एक बड़ा दावा किया है। पोस्ट में केआरके का दावा है कि 'सनी देओल की साल 2026 में पांच फिल्में रिलीज होनी हैं। जबकि सनी देओल सात और फिल्में साइन कर चुके हैं। वो प्रति फिल्म 50 करोड़ रुपए की फीस ले रहे हैं। इसका मतलब है कि 68 साल की उम्र में उनकी कमाई लगभग 1000 करोड़ रुपये होगी। जीवन में कुछ भी हो सकता है।' सनी देओल को लेकर किया गया केआरके का ये दावा अब वायरल है।

सनी देओल की पाइपलाइन में हैं ये फिल्में

हालांकि, केआरके के दावे में कितनी सच्चाई है, ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा। लेकिन अगर सनी देओल की बात की जाए तो इस साल उनकी 'बॉर्डर 2' रिलीज हो चुकी है। इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा इस साल उनकी आगामी फिल्मों में 'इक्का', जो नेटफ्लिक्स पर आएगी शामिल है। इसके अलावा 'लाहौर 1947' और 'रामायण' शामिल हैं। नितेश तिवारी की बड़े बजट की मल्टीस्टारर फिल्म 'रामायण' में सनी देओल हनुमान जी की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बन रही 'लाहौर 1947' भी लगभग पूरी हो चुकी है। इन तीन फिल्मों के अलावा और किसी फिल्म को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं है। ऐसे में अब केआरके के दावे में कितनी दम है, ये आने वाले वक्त में पता चल जाएगा।

अभिनेत्री श्रीलीला ने मां को बताया अपना 'फुल टाइम एंटरटेनमेंट'

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री श्रीलीला बुधवार को अपनी मां का जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने खास अंदाज में अपनी मां को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मां के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह और उनकी मां साथ में मुस्कुराते नजर आ रही हैं। ये तस्वीरें मां-बेटी के गहरे रिश्ते और प्यार को साफ दिखाती हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, अम्मा। आप 24 घंटे मनोरंजन करती रहती हैं और साल के 365 दिन मुझे इमोशनली स्ट्रॉन्ग करती रहती हैं।' अभिनेत्री श्रीलीला ने आगे लिखा कि जैसे-जैसे वे दोनों रोज जिंदगी में आगे बढ़ती जा रही हैं, वो समझ रही हैं कि सच्चा और निस्वार्थ प्यार क्या होता है। श्रीलीला ने लिखा, 'मुझे वो सब बहुत अच्छा लगता है जो हम साथ में शेयर करते हैं। आप मुझे हिम्मत और साहस सिखाती हैं, और मैं आपको थोड़ा हंसी-मजाक के साथ मुश्किल वक्त संभालना सिखाती हूं। अभिनेत्री ने इमोनशनल पोस्ट में लिखा, 'मैं ऊपरवाले से प्रार्थना करती हूं कि आप हमेशा मेरी अम्मा बनी रहें, चाहे मैं कितनी भी जिंदगियां क्यों न जी लूं। मुझे इस दुनिया में लाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। श्रीलीला का यह पोस्ट प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया देने के साथ उनकी मां को जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं। अभिनेत्री जल्द ही साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह' में मुख्य भूमिका निभाती दिखेंगी। इस फिल्म में आशुतोष राणा, प्रथिबन, केएस रविकुमार, रामकी, नवाब शाह, बीएस अविनाश, गौतमी, नागा महेश और टेम्पर वामसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'उस्ताद भगत सिंह' का निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं, वहीं नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह 2016 की तमिल फिल्म 'थेरी' का रीमेक है। इसके साथ ही, वे बॉलीवुड में कार्तिक आर्यन के साथ 'आशिकी 3' से डेब्यू करने को तैयार हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

सीहोर में राष्ट्रीय दलहन सम्मेलन आज

मुख्यमंत्री मोहन और केंद्रीय मंत्री शिवराज होंगे शामिल

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के अमलाहा स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल रिसर्च इन द ड्राई एरियाज के फूड लेग्यूम्स रिसर्च प्लेटफॉर्म (एफएलआरपी) में आज राष्ट्रीय दलहन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, ये यहां नए प्रशासनिक भवन, उन्नत प्रयोगशाला और प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन का उद्देश?य दालों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, जिसमें कि देशभर के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, किसानों तथा नीति निमार्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। दिनभर के कार्यक्रम में ओडिशा, पंजाब, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा जैसे प्रमुख दलहन उत्पादक राज्यों के कृषि मंत्रियों ने भी अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। यह सम्मेलन ह्यदलहन में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय मिशनह्न पर केंद्रित रहेगा, जिसमें उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने, बेहतर बीज उपलब्ध कराने, वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के उपायों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना और उन्नत तकनीकों के माध्यम से दलहन उत्पादन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाना है। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 10:45 बजे पौधरोपण के साथ होगी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री मोहन यादव एफएलआरपी परिसर में स्थापित अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण सुविधाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे। ये सुविधाएं दालों पर शोध और किसानों के प्रशिक्षण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित की गई हैं, जिससे आधुनिक तकनीकों को सीधे खेतों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

सम्मेलन में इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) के वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान, किसान उत्पादक संगठन, बीज उत्पादक, उद्योग प्रतिनिधि और नीति निमार्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस दौरान आईसीएआर संस्थानों द्वारा विकसित अरहर, चना, मसूर सहित अन्य दलहनों की नई और अधिक उपज देने वाली किस्मों को औपचारिक रूप से जारी किया जाएगा। इन उन्नत बीजों का प्रतीकात्मक वितरण प्रगतिशील किसानों को किया जाएगा, ताकि नई तकनीकों और बेहतर उत्पादन पद्धतियों को तेजी से अपनाया जा सके।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान कार्यक्रम के दौरान चल रहे फील्ड ट्रायल का निरीक्षण भी करेंगे और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, अनुभवों और चुनौतियों को समझेंगे। इसके साथ ही दलहन के उन्नत बीज, उत्पाद और आधुनिक तकनीकों से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया जाएगा, जिससे किसानों को नई संभावनाओं और वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी मिल सके।

इस सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण ह्यपल्स मिशन पोर्टलह्न का लॉन्च होगा। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म दलहन मिशन के तहत उत्पादन, खरीद और वितरण की रियल-टाइम निगरानी के लिए तैयार किया गया है। इसके माध्यम से किसानों, नीति निमार्ताओं और प्रशासन को सटीक और त्वरित जानकारी उपलब्ध हो सकेगी, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

अधिकारियों के अनुसार यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न के विजन के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य किसानों को समृद्ध बनाना और देश को प्रोटीन सुरक्षा प्रदान करना है। दुनिया में सबसे बड़ा दलहन उत्पादक होने के बावजूद भारत अभी भी बड़ी मात्रा में दालों का आयात करता है। इस मिशन के माध्यम से क्षेत्र विस्तार, उत्पादकता में वृद्धि और किसानों को बेहतर मूल्य दिलाकर वर्ष 2027 तक पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

सात निश्चय-3 के तहत डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा: हर गांव में बनेगी दुग्ध उत्पादन समिति, सभी पंचायतों में खुलेंगे सुधा केंद्र

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सात निश्चय-3 के तीसरे संकल्प कृषि में प्रगति-प्रदेश में समृद्धि के अंतर्गत राज्य में डेयरी उद्योग को सशक्त बनाने के लिए व्यापक पहल की घोषणा की है। इसके तहत राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, ताकि पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो। राज्य के कुल 39,073 गांवों में से अब तक 25,593 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जा चुका है। शेष सभी गांवों में अगले दो वर्षों के भीतर समितियों के गठन का निर्देश पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिया गया है। सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल पशुपालकों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि राज्य में दूध उत्पादन एवं उपलब्धता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसी क्रम में सात निश्चय-2 के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। अब ह्यसात निश्चय-3ह्न के अंतर्गत सभी पंचायतों में भी सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में राज्य की 8,053 पंचायतों में से 100 पंचायतों में सुधा केंद्र संचालित हो रहे हैं। शेष 7,953 पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंत तक सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि पंचायतों में खुलने वाले नए सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित जीविका दीदियों को आवंटित किया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेयरी व्यवसाय के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों की आय में वृद्धि होगी। साथ ही दूध एवं दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और राज्यवासियों के जीवन में समृद्धि आएगी।

बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव 31 साल पुराने मामले में गिरफ्तार

एजेंसी

पटना : बिहार में पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र से पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को बीती आधी रात 31 साल एक पुराने मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। पटना पुलिस ने यादव को मंदिरी इलाके में घर से गिरफ्तार किया। भारी पुलिस बल के साथ एसपी सिटी भानु प्रताप सिंह और एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के नेतृत्व में टीम पहुंची थी। गिरफ्तारी पर समर्थकों ने विरोध जताया और नारेबाजी की। पप्पू यादव दिल्ली से पटना लौटे ही थे कि पुलिस टीम उनके घर पहुंच गई। अफसरों और पांच थानों की टीम ने वारंट दिखाते हुए गिरफ्तारी की । पप्पू यादव ने शुरू में विरोध किया और कहा कि वे शनिवार सुबह खुद कोर्ट में पेश होंगे। उनके समर्थकों और पुलिस के बीच बहस हुई। पप्पू यादव ने चिल्लाकर कहा कि ये लोग उन्हें मारने आए हैं और गिरफ्तारी का वारंट नहीं दिखाया गया, बल्कि संपत्ति कुर्की का कागज निकाला गया। गिरफ्तारी से पहले पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि यह राजनीतिक साजिश है। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने पटना में नीट छात्रा की मौत और गर्ल्स हॉस्टल से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा था, इसी कारण उन्हें सताया जा रहा है। उन्होंने बीमार होने का हवाला देते हुए आशंका जताई कि उनके साथ कुछ गलत हो सकता है। उन्होंने पुलिस से कहा कि वे पुलिस स्टेशन नहीं, सीधे अदालत जाना चाहते हैं। पप्पू यादव की गिरफ्तारी 1995 के एक मामले में हुई है। यह मामला पटना के गर्दनीबाग थाने में अपराध संख्या 552/1995 से संबद्ध है। शिकायतकर्ता मकान मालिक विनोद बिहारी लाल ने आरोप लगाया था कि पप्पू यादव ने धोखाधड़ी से घर किराये पर लिया, पर्सनल यूज बताकर लेकिन उसे राजनीतिक कार्यालय बना लिया। जब मालिक को पता चला तो विवाद हुआ। आरोपों में धोखाधड़ी, जालसाजी, घर में घुसपैठ, आपराधिक धमकी और षड्यंत्र शामिल हैं। पुरानी आईपीसी की धारा 419, 420, 468, 448, 506 और 120बी (अब बीएनएस में समकक्ष) के तहत मामला चल रहा था।

चूंजा हेचरी प्लांट स्थापित करने को योगी सरकार दे रही छूट

एजेंसी

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश की योगी सरकार चूंजा हेचरी प्लांट स्थापित करने के लिए कई छूट दे रही है। यह जानकारी शनिवार को प्रयागराज मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ शिवनाथ यादव ने दी। उन्होंने बताया कि सरकार नए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार उद्योग शुरू करने के लिए बैंक से लोन की प्रक्रिया को सहज और सरल बनाया है।

जाने चूंजा हेचरी प्लांट स्थापित करने की क्या है शर्तें

उन्होंने बताया कि इस प्लांट को स्थापित करने के लिए दस हजार चूंजा हेचरी स्थापित करने के लिए एक एकड़ जमीन की आवश्यकता होती है। प्लांट स्थापित करने वाले के नाम जमीन होना चाहिए। यदि नहीं है तो सरकार जमीन खरीदने के लिए स्टांप ड्यूटी की पूरी छूट दे रही है। दस हजार चूंजा हेचरी प्लांट को स्थापित करने में एक करोड़ की लागत आती है। योजना के तहत 30 प्रतिशत का खर्च लाभार्थी को स्वयं करना होगा। शेष 70 प्रतिशत धनराशि को बैंक से लोन लेना होगा। जिसका 7 प्रतिशत ब्याज सरकार अनुदान के रूप में बैंक को देगी और मूलधन लाभार्थी को जमा करना होगा।

लाभार्थी को प्लांट में मुफ्त बिजली कनेक्शन देगी और दस वर्ष तक सरकार विद्युत बिल का भुगतान पशुपालन विभाग के माध्यम से विद्युत विभाग में देगी।

उन्होंने बताया कि यह दस हजार चूंजा हेचरी प्लांट के संबंध में जानकारी दी गई है। लेकिन बीस हजार चूंजा हेचरी प्लांट की स्थापना में जमीन भी अधिक आवश्यकता होगी और प्लांट स्थापित करने की लागत बढ़ती जाएगी।

बंगाल विधानसभा चुनाव : एक चरण में मतदान की सिफारिश पर सीईओ कार्यालय का स्पष्टीकरण

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर एक चरण में मतदान कराने की सिफारिश के पीछे के कारणों को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने स्पष्ट किया है। सीईओ कार्यालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जल्द ही एक चरण में चुनाव कराने की सिफारिश भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को भेजी जाएगी। हालांकि, अंतिम फैसला नई दिल्ली स्थित आयोग के शीर्ष नेतृत्व द्वारा ही लिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सिफारिश में इस बात पर जोर दिया जाएगा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए एक चरण में मतदान क्यों आवश्यक है। सीईओ कार्यालय के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, इस सिफारिश के समर्थन में मुख्य तर्क मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान की गई आलोचना को बनाया जाएगा। उस समय, जब देश कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा था, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान कराने का निर्णय लिया था। मुख्यमंत्री ने तब कहा था कि यदि 234 विधानसभा सीटों वाले तमिलनाडु में एक चरण में चुनाव संभव है, तो 294 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में आठ चरणों की आवश्यकता क्यों पड़ी? सूत्रों ने यह भी बताया कि अतीत में पश्चिम बंगाल में एक चरण में चुनाव कराए जाने के उदाहरण मौजूद हैं और इसी आधार पर यह सिफारिश तैयार की जा रही है। सीईओ कार्यालय के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया, ह्लएक चरण में मतदान का लाभ यह होगा कि राजनीतिक दल एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में अपने समर्थकों को नहीं जुटा पाएंगे। इससे मतदान के दिन या उससे पहले बाहरी तत्वों की मौजूदगी और मतदाताओं को डराने की शिकायतों पर अंकुश लगेगा।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की रूपरेखा तय, संयुक्त बयान जारी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की अंतरिम रूपरेखा तय हो गई है। दोनों देशों के संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार यह समझौता दोनों देशों के बीच साझेदारी में मील का पत्थर साबित होगा। संयुक्त बयान में कहा गया है कि शुल्क (टैरिफ) कम किए जाएंगे। ऊर्जा साझेदारी नई तरह से तैयार होगी। आर्थिक सहयोग प्रगाढ़ होगा। इसका मकसद यह है कि दोनों देश मिलकर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को दोबारा से व्यवस्थित कर सकें।

अंतरिम रूपरेखा के अनुसार, अमेरिका और भारत इस व्यापार समझौते के और करीब आ गए हैं। दोनों देशों की सरकारों ने संयुक्त बयान में कहा कि यह अंतरिम रूपरेखा एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। कहा गया है कि समझौते को पूरा करने के लिए आगे बातचीत जरूरी है। समझौते के अनुसार, भारत अमेरिका की सभी औद्योगिक वस्तुओं, सूखे अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवा, ताजा और प्रोसेस?ड फ्रूट, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट्स समेत अन्य उत्पादों और कई प्रकार के अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों पर शुल्क समाप्त होगा या कम किया जाएगा। संयुक्त बयान में कहा गया है, "अमेरिका और भारत को पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में अंतरिम समझौते की रूपरेखा तैयार करने पर खुशी हो रही है।"

नई दिल्ली से जारी इस संयुक्त बयान में कहा गया है, "अमेरिका और भारत को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दोनों आपसी और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार (अंतरिम समझौता) के संबंध में एक अंतरिम समझौते के लिए एक फ्रेमवर्क पर पहुंच गए हैं। आज का फ्रेमवर्क राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले साल 13 फरवरी को शुरू किए गए व्यापक अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत के प्रति देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इसमें अतिरिक्त बाजार पहुंच प्रतिबद्धता शामिल होंगी और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखला का समर्थन किया जाएगा।"

संयुक्त घोषणा के अनुसार, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और अमेरिकी खाद्य और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर टैरिफ खत्म करेगा या कम करेगा। इसमें सूखा अनाज, पशु आहार के लिए लाल ज्वार, पेड़ के मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट, और अतिरिक्त उत्पाद शामिल हैं। अमेरिका ने दो अप्रैल, 2025 के कार्यकारी आदेश को संशोधित किया है। इसके तहत अमेरिका भारत के मूल उत्पादों पर 18 प्रतिशत की पारस्परिक टैरिफ दर लागू करेगा। इसमें कपड़ा और परिधान, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबर, कार्बनिक रसायन, घर की सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद, और कुछ मशीनरी शामिल हैं। अंतरिम समझौते के के लिए पांच सितंबर, 2025 के कार्यकारी आदेश को भी संशोधित किया गया है। इसके तहत जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स, रत्न और हीरे, और विमान के पुर्जों पर शुल्क हट जाएगा। अमेरिका भारत के कुछ खास विमानों और विमान के पाट्र्स पर लगाए गए टैरिफ को भी हटा देगा। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों के अनुसार, भारत को ऑटोमोटिव पाट्र्स के लिए एक प्रेफरेंशियल टैरिफ रेट कोटा मिलेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

हिमाचल में बारिश-बर्फबारी के साथ अंधड़ और बिजली गिरने का अलर्ट

शिमला : हिमाचल प्रदेश में जनवरी के आखिरी सप्ताह और फरवरी के शुरू में हुई भारी बर्फबारी पिछले कुछ दिनों से मौसम साफ बना हुआ था और लोगों को ठंड के बीच कुछ राहत भी मिली। हालांकि अब यह राहत ज्यादा दिनों तक रहने वाली नहीं है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है और आने वाले दिनों में कई इलाकों में बारिश-बर्फबारी के साथ तेज अंधड़ और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार 8 फरवरी से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, जिसका असर 9, 10 और 11 फरवरी को प्रदेश में दिखाई देगा। इनमें 10 फरवरी को इसका सबसे अधिक प्रभाव रहने का अनुमान है। इसी दिन विभाग ने अंधड़ और आसमानी बिजली गिरने का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार इस दौरान कई स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। हालांकि 9 और 11 फरवरी के लिए किसी प्रकार का अलर्ट जारी नहीं किया गया है, लेकिन इन दिनों भी मौसम खराब रहने और कुछ स्थानों पर वर्षा या बर्फबारी की संभावना बनी रहेगी। 12 और 13 फरवरी को मौसम फिर से साफ रहने का अनुमान है।

पूर्वानुमान के अनुसार इस दौरान ऊंचाई वाले और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी तथा निचले और मध्यम ऊंचाई वाले इलाकों में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। इससे तापमान में फिर गिरावट आने और ठंड बढ़ने की संभावना है। प्रदेश के कई हिस्सों में अभी भी कड़ाके की ठंड का असर बना हुआ है। खासतौर पर जनजातीय और अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सर्दी लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। तापमान की बात करें तो जनजातीय जिलों में न्यूनतम तापमान शून्य से काफी नीचे बना हुआ है। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में आज न्यूनतम तापमान माइनस 13.7 डिग्री सेल्सियस और स्पीति के ताबो में माइनस 11.2 डिग्री दर्ज किया गया। किन्नौर के कल्पा में तापमान माइनस 2.4 डिग्री रहा, जो प्रदेश के अन्य हिस्सों की तुलना में काफी कम है। अन्य ठंडे स्थानों में मनाली में 0.3 डिग्री, भरमौर में 1.0 डिग्री, भुंतर में 2.6 डिग्री और धर्मशाला में 3.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। सराहन में 3.5 डिग्री, सुंदरनगर और सोलन में 4.1-4.1 डिग्री, कांगड़ा में 5.3 डिग्री और मंडी में 5.5 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड हुआ। राजधानी शिमला और बिलासपुर में तापमान 6.0 डिग्री, पालमपुर में 6.5 डिग्री और जुब्बड़हट्टी में 6.8 डिग्री दर्ज किया गया। मैदानी और अपेक्षाकृत गर्म इलाकों में तापमान कुछ अधिक रहा। ऊना में 7.0 डिग्री, नाहन में 8.5 डिग्री, कसौली में 8.6 डिग्री, पांवटा साहिब और देहरा गोपीपुर में 9.0-9.0 डिग्री तथा नेरी में 10.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

कोलकाता में मौसम साफ, सुबह हल्की धुंध की संभावना

कोलकाता : महानगर कोलकाता में अगले 24 घंटों के दौरान मौसम मुख्यत: साफ रहने का पूर्वानुमान है। सुबह के समय हल्की धुंध छाए रहने की संभावना जताई गई है, हालांकि दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान लगभग 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 14 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। शुक्रवार को दर्ज अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम है, जबकि न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम रहा। आर्द्रता के स्तर की बात करें तो अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता 78 प्रतिशत और न्यूनतम 38 प्रतिशत दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान शहर में किसी प्रकार की वर्षा नहीं हुई है। छह फरवरी की सुबह 6:30 बजे से सात फरवरी की सुबह 6:30 बजे तक तथा छह फरवरी की सुबह 8:30 बजे के बाद भी वर्षा का आंकड़ा शून्य रहा। मौसम के इस मिजाज से लोगों को सुबह और रात में हल्की ठंड का एहसास होगा, जबकि दिन के समय धूप से राहत मिलने की उम्मीद है।

अलवर में टाइगर मैराथन 8 फरवरी को

अलवर : वन्यजीव संरक्षण, फिटनेस और पर्यटन को एक साथ जोड़ने वाली देश की पहली अलवर टाइगर मैराथन का आयोजन रविवार, 8 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा। इस मेगा इवेंट में देश-विदेश से आए नामचीन एथलीटों के साथ-साथ 18,500 से अधिक धावक भाग लेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतिभागियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी है, जो इस आयोजन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। अलवर टाइगर मैराथन के संयोजक अरुण जैन ने बताया कि यह आयोजन केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि टाइगर संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का जनआंदोलन है। उन्होंने कहा कि 8 फरवरी का दिन अलवर को फिटनेस, विकास और वन संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने वाला साबित होगा। मैराथन की विभिन्न श्रेणियों में विजेताओं को कुल 90 लाख 37 हजार 500 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। ओवरऑल मैराथन पुरुष और महिला वर्ग में 18-18 लाख रुपये तथा हाफ मैराथन में पुरुष-महिला वर्ग के लिए 18.10 लाख रुपये की इनामी राशि निर्धारित की गई है। इसके अलावा फोर्स रन, 10 किलोमीटर रन, कॉरपोरेट रन और पैरा रन में भी आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। इतनी बड़ी पुरस्कार राशि के कारण अलवर टाइगर मैराथन देश की प्रमुख मैराथनों में शामिल हो गई है। मैराथन में केन्या और इथियोपिया सहित कई देशों के विश्वस्तरीय एथलीट भी हिस्सा लेंगे, जिनका अंतरराष्ट्रीय मैराथन और हाफ मैराथन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है। आयोजकों का मानना है कि इन एलीट धावकों की भागीदारी से अलवर टाइगर मैराथन को वैश्विक पहचान मिलेगी।

वी-शक्ति संस्था की संस्थापक प्रज्ञा यादव ने बताया कि इस बार करीब 500 दिव्यांगजन पैरा मैराथन में भाग लेकर समावेशी भारत और आत्मनिर्भरता का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के मार्गदर्शन में यह आयोजन अलवर के समग्र विकास को नई दिशा देगा। मैराथन कार्यक्रम के अनुसार हाफ मैराथन एलीट पुरुषों और महिलाओं की कॉल टाइम सुबह 5 बजे रखी गई है, जबकि दौड़ क्रमश: सुबह 6 बजे और 6 बजकर 2 मिनट पर शुरू होगी। 10 किलोमीटर ओपन रन सुबह 7 बजकर 10 मिनट, कॉरपोरेट रन 7 बजकर 15 मिनट, 5 किलोमीटर शक्ति रन सुबह 8 बजे तथा 2 किलोमीटर पैरा रन सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर प्रारंभ होगा। सभी दौड़ प्रताप ऑडिटोरियम के बाहर से शुरू होंगी। भाजपा के मीडिया प्रभारी लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगी। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव, ब्रांड एंबेसडर रणदीप हुड्डा तथा राज्य वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे

केन्द्रीय मंत्री कमलेश पासवान वाराणसी पहुंचे,एयरपोर्ट पर स्वागत

वाराणसी : केन्द्रीय राज्यमंत्री (ग्रामीण विकास) कमलेश पासवान शनिवार को वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लालबहादुर शास्त्री अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर केन्द्रीय मंत्री का स्वागत भाजपा के प्रोटोकॉल प्रभारी /क्षेत्र उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा शैलेश पाण्डेय के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकताओं ने गर्मजोशी से किया। एयरपोर्ट पर कुछ देर भाजपा कार्यकताओं से बातचीत के बाद केन्द्रीय मंत्री सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। सर्किट हाउस में केन्द्रीय मंत्री केन्द्रीय बजट पर चर्चा करेंगे। इसके बाद विभागीय अफसरों के साथ बैठक कर सकते है।

बारात में नाच के दौरान चली गोली, युवक की मंच पर ही हत्या

डेहरी आन सोन : बिहार में रोहतास जिले के सूर्यपुरा थाना क्षेत्र के ढोढनडीह गांव में शादी समारोह के दौरान एक बारात में चल रहे नाच के बीच एक युवक की आज अहले सुबह पांच बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान इसी गांव के 24 वर्षीय वीर बहादुर सिंह के रूप में की है। ढोढनडीह गांव निवासी मिथिलेश सिंह की पुत्री की शादी थी। शुक्रवार की शाम बिहिया (भोजपुर) के यादवपुर से बारात आई थी। विवाह समारोह के तहत नाच का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान वीर बहादुर सिंह मंच पर नाचने वाली के साथ नाचने पहुंचा और उसे पैसे भी दे रहे थे, तभी उनका एक करीबी मित्र भी मंच पर चढ़ गया, जिसे वीर बहादुर ने मना किया। बताया जाता है कि इसी बात को लेकर कहासुनी हुई और अचानक रिवॉल्वर निकालकर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दीं। गोली लगते ही वीर बहादुर सिंह मंच पर ही गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मंच के आसपास बिखरे नोट और मृतक का मोबाइल पुलिस को मिला है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित फरार बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही सूर्यपुरा थाना, नटवार थाना, भानस ओपी और दावथ थाना की पुलिस के साथ इंस्पेक्टर शेर सिंह यादव व डीएसपी सिंधु शेखर सिंह दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम ले जा रही है।

अध्यक्ष पद और वार्ड पार्षद के प्रत्याशियों को आज मिलेगा चुनाव चिन्ह

दुमकाः नगरपालिका निर्वाचन 2026 के अंतर्गत दुमका जिले के नगर परिषद् दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ में अध्यक्ष पद के लिए नाम वापसी की प्रक्रिया निर्धारित तिथि के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नाम वापसी की प्रक्रिया के क्रम में नगर परिषद दुमका से 01 उम्मीदवार ने विधिवत रूप से अपना नामांकन वापस ले लिया है। इसके उपरांत अब अध्यक्ष पद के लिए कुल 18 उम्मीदवार चुनाव मैदान में शेष रह गए हैं। इसी प्रकार नगर पंचायत बासुकीनाथ से किसी भी उम्मीदवार द्वारा नामांकन वापस नहीं लिया गया है। यहां अध्यक्ष पद के लिए कुल 06 उम्मीदवार चुनाव मैदान में बने हुए हैं। सभी मान्य प्रत्याशियों को 7 फरवरी को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे।

घर से रेल कर्मचारी का फंदे से लटका सड़ा-गला शव बरामद

जमशेदपुरः बलरामपुर थाना क्षेत्र के ब्लॉक सदर अस्पताल मोड़ के पास एक किराए के मकान से एक रेल कर्मचारी का फंदे से लटका हुआ, सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव कई दिन पुराना बताया जा रहा है। मृतक की पहचान जितेन महतो (25) के रूप में हुई है, जो बलरामपुर थाना क्षेत्र के मालडी गांव का रहने वाला था। फंदे से लटका हुआ मिला रेल कर्मचारी का शव : मृतक बराभूम रेलवे स्टेशन पर गैंगमैन के पद पर कार्यरत था। नौकरी के सिलसिले में वह बलरामपुर ब्लॉक सदर अस्पताल मोड़ के पास एक किराए के मकान में अकेला रहता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई दिनों से मकान से तेज दुर्गंध आ रही थी। शक होने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे के अंदर देखा, जहां जितेन महतो का शव फंदे से लटका हुआ मिला। शव काफी हद तक सड़ चुका थाः पुलिस की प्रारंभिक जांच में अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक की मौत करीब 4 से 5 दिन पहले हो चुकी थी। शव काफी हद तक सड़ चुका था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पुरुलिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

15 फरवरी से पहले शस्त्र जमा नहीं करने पर रद्द होगा लाइसेंस

धनबादः निकाय चुनाव को लेकर नामांकन की सभी प्रकारिया पूरी हो चुकी है। इसके बाद शुक्रवार को समहरणालय सभागार में चुनाव के लिए आये धनबाद नगर निगम के सामान्य प्रेक्षक रोबिन टोप्पो व व्यय प्रेक्षक नवनीत निश्चल और चिरकुंडा नगर परिषद के सामान्य प्रेक्षक सुरेंद्र कुमार ने सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार मौजूद थे। उपायुक्त ने कहा कि जिन शस्त्रधारियों ने अब तक अपने शस्त्र का सत्यापन करा कर जमा नहीं किया है वो 15 फरवरी तक कर दें। अन्यथा लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा। बैठक में चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की गयी। प्रेक्षकों ने जिला प्रशासन की तैयारियों पर संतुष्टि व्यक्त की। निगम के सामान्य प्रेक्षक ने निष्पक्ष व शतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां समय पर व पारदर्शी तरीके से करने का निर्देश दिया। मौके में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा पसाद, धनबाद नगर निगम के महापौर के निवार्ची पदाधिकारी विनोद कुमार, चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष पद के निवार्ची पदाधिकारी जियाउल अंसारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालीदास मुंडा आदि मौजूद थे।

निर्धारित तिथियों तक खर्च का ब्यौरा जमा करें : व्यय प्रेक्षक धनबाद नगर निगम के व्यय प्रेक्षक ने फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्टेटिक सर्विलांस टीम, वीडियो सर्विलांस टीम तथा वीडियो व्यूइंग टीम को सतर्क रहकर हर प्रत्याशियों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने को निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने उसकी प्रतिदिन रिपोटिंग करने का भी निर्देश दिया। एमसीएमसी कोषांग को पेड न्यूज, सोशल मीडिया पर किए जा रहे प्रचार पर नजर रख इसकी जानकारी एक्सपेंडिचर कोषांग को देने का निर्देश दिया। साथ ही शत प्रतिशत प्रत्याशियों को निर्धारित की गई तीन तिथियों में खर्च का ब्यौरा देने का निर्देश दिया।

चेक पोस्ट पर हर वाहन की हो कड़ी निगरानी : सामान्य प्रेक्षक चिरकुंडा नगर परिषद के सामान्य प्रेक्षक ने चुनाव कार्य में लगे सभी पदाधिकारी का अच्छे से प्रशिक्षण संपन्न कराने, डिस्पैच सेंटर से बूथ तक जाने एवं बूथ से स्ट्रांग रूम आने के लिए रूट चार्ट तैयार कर पर्याप्त संख्या में वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेक पोस्ट पर हर आने-जाने वाले पर कड़ी निगरानी रखने का भी निर्देश दिया।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई का निर्देशः उपायुक्त ने प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले चुनाव पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। एसएसपी ने कहा कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति रहेगी। इसके लिए फोर्स डेप्लॉयमेंट प्लान भी तैयार है। चुनाव में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर कड़ी नजर रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। वारंट निष्पादन में तेजी लाई गई है। बैठक के दौरान प्रेक्षकों ने कार्मिक, मतपत्र, सामग्री, परिवहन, विधि व्यवस्था, मीडिया, प्रशिक्षण सहित अन्य कोषांगों की समीक्षा की।

बस्तियों में दिये जायेंगे पानी के 12 हजार नये कनेक्शन

जमशेदपुरः टाटा स्टील और टाटा स्टील यूआइएसएल नागरिक सुविधाओं में विस्तार करने वाली है। इस कड़ी में शहर में बड़े पैमाने पर लोगों को घर-घर नल कनेक्शन टाटा स्टील यूआइएसएल देने जा रही है। इसके तहत वर्तमान में बस्तियों में 12 हजार नये कनेक्शन देने के लिए कंपनी की ओर से नेटवर्क खड़ा कर लिया गया है। अब लोगों को सिर्फ आवेदन करना होगा, जिसके बाद उन्हें जल कनेक्शन उपलब्ध कराया जायेगा।

इन इलाकों में दिये जायेंगे कनेक्शन : टाटा स्टील यूआइएसएल जमशेदपुर पूर्वी और जमशेदपुर पश्चिम की बस्तियों में पानी कनेक्शन का विस्तार करने वाली है। इसके तहत सिदगोड़ा दस नंबर बस्ती, लाल भट्ठा क्षेत्र, बाबूडीह बस्ती, जोजोबेड़ा कॉलोनी, महानंद बस्ती, गोलमुरी नामदा बस्ती, गोलमुरी रिफ्यूजी कॉलोनी, सोनारी रुपनगर सोनारी निर्मल नगर, सोनारी कपाली बस्ती, कदमा ग्रीन पार्क एरिया और अन्य इलाके शामिल हैं। अब तक 81 हजार कनेक्शन, एक लाख का लक्ष्यः वर्तमान में टाट स्टील और समूह कंपनियों के क्वार्टरों के अलावा 81 हजार अतिरिक्त कनेक्शन पानी के शहर में दिये गये हैं। इसका विस्तार किया जाना है और लक्ष्य है कि नये वित्तीय वर्ष तक कंपनी क्वार्टर के अलावा करीब एक लाख कनेक्शन दे दिये जाएं।

लोग आवेदन करेंगे, तो दिया जायेगा कनेक्शनः टाटा स्टील यूआइएसएल के अधिकारियों के मुताबिक, अभी पानी का नेटवर्क का विस्तार किया गया है। अभी उपरोक्त बस्तियों में कनेक्शन देने के लिए वे लोग तैयार हैं। लोग आवेदन करने आगे आयेंगे, तो पानी का कनेक्शन दिया जायेगा। इसके बाद आहिस्ता आहिस्ता पानी के कनेक्शन का विस्तार किया जायेगा। हालांकि, कंपनी की ओर से कहा गया है कि पानी का कनेक्शन लेने के लिए लोग ज्यादा रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जो निराशाजनक स्थिति है। इसको लेकर कंपनी की ओर से पहले से ही लोगों को जागरूक किया जा चुका है। वाटर टावर का हो रहा

ऑटोमेशन, मोहरदा जलापूर्ति के जरिये विस्तार : उपभोक्ताओं को पानी की सप्लाई के समय में निरंतरता लाने के लिए सेंट्रल और सोनारी टावर का ऑटोमेशन किया गया है।

वंदे भारत एक्सप्रेस में लगी आग, धुआं देख यात्रियों में मची अफरा-तफरी

संवाददाता

रांचीः चक्रधरपुर रेल मंडल में हावड़ा- राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस में तकनीकी खराबी सामने आने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के पहियों में आग लगने की घटना के बाद रेलवे प्रशासन को आनन-फानन में ट्रेन रोकनी पड़ी और यात्रियों को दूसरी ट्रेन से रवाना किया गया।

यात्रियों में अफरा-तफरीः दरअसल, चक्रधरपुर रेल मंडल के टुनिया रेलवे स्टेशन के पास हावड़ा- राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस में उस समय हड़कंप मच गया, जब इंजन से तीसरे कोच के पहियों में हॉट एक्सल के कारण आग लग गई। घटना के बाद पहियों से धुआं उठने लगा, जिसे देखकर ट्रेन में सवार यात्रियों में घबराहट फैल गई। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन हरकत में आया और वंदे भारत एक्सप्रेस को टुनिया रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। मौके पर पहुंची तकनीकी टीम ने आग पर काबू पाया और कोच की मरम्मत की। इस घटना से चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय में भी हलचल मच गई। हैरानी की बात यह रही कि टाटानगर और चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की पहले ही जांच की जा चुकी थी, इसके बावजूद चक्रधरपुर से सिर्फ 25 किलोमीटर की दूरी पर यह घटना हो गई।

यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार सभी यात्रियों को ट्रेन संख्या 12222 हावड़ाझपुणे एसी दुरंतो एक्सप्रेस में शिफ्ट कर राउरकेला भेजा गया। बाद में वंदे भारत एक्सप्रेस के खाली रैक को राउरकेला पहुंचाया गया। इधर, राउरकेला से हावड़ा जाने वाली ट्रेन संख्या 20872 वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए रेलवे प्रशासन ने टाटानगर से एक अलग वंदे भारत रैक राउरकेला मंगाया। इसके बाद यह ट्रेन शाम करीब साढ़े चार बजे राउरकेला के प्लेटफॉर्म नंबर पांच से रवाना हुई। इस पूरी घटना के कारण यात्रियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। चक्रधरपुर रेल मंडल में पहले से ही ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री परेशान हैं। अब वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेन में तकनीकी खराबी की घटना से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई

सिदो कान्हु मुर्मू विवि में वित्त समिति की आयोजित बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमकाः सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में शुक्रवार को वित्त समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो। कुनुल कंदीर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कुल 13 एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी में वर्मी कंपोस्ट चैम्बर के निर्माण, गोड्डा कॉलेज के बीएड भवन, कैंटीन एवं साइंस भवन की मरम्मत, तथा धमडी कॉलेज में आवश्यक सामग्री की खरीद से संबंधित प्रस्तावों का वितीय को स्वीकृति दी गई। वहीं देवघर कॉलेज के भवन की मरम्मत के लिए अपेक्षित राशि अत्यधिक होने के कारण इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय के आंतरिक फंड से वहन न करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में मामला आवश्यक स्वीकृति हेतु राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया।

इसके अतिरिक्त, छह नए मॉडल महिला एवं डिग्री कॉलेजों में कार्यरत आउटसोर्स्ड एवं सुरक्षा कर्मियों के भुगतान हेतु विश्वविद्यालय के आंतरिक फंड से मानदेय (रेम्यूनरेशन) भुगतान को स्वीकृति दी गई। साथ ही सभी नए मॉडल महिला एवं डिग्री कॉलेजों को एक-एक लाख रुपये की कंटिंजेंसी ग्रांट प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में विश्वविद्यालय के पुराने वाहनों के एक्सचेंज तथा एसपी कॉलेज में विद्युत व्यवस्था के नवीनीकरण (इलेक्ट्रिसिटी रेनोवेशन) से संबंधित वितीय प्रशासनिक स्वीकृति भी प्रदान की गई। इस बैठक में वित्त सलाहकार ब्रज नंदन ठाकुर, वित्त पदाधिकारी डॉ। संजय कुमार सिन्हा, डीएसडब्ल्यू डॉ। जैनेंद्र यादव, डॉ। एस। एन। अधिकारी सहित महेशपुर विधानसभा क्षेत्र (सुरक्षित)के झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक प्रो। स्टीफन मरांडी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

एम्बुलेंस में डीजल नहीं, बरवाडीह में तड़पता रहा मरीज

तेल खत्म होने से बीच सड़क पर बंद हुई एंबुलेंस, मरीज की अटकी सांसें

संवाददाता

लातेहारः झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। समय पर इलाज के लिए ले जाई जा रही एक महिला की जान खतरे में पड़ गई, जब बीच रास्ते एंबुलेंस का तेल खत्म हो गया और वाहन बंद हो गया।

काफी प्रयास के बाद भी दोबारा स्टार्ट नहीं हुआ एंबुलेंसः दरअसल, पटमदा प्रखंड के अगुईडॉगरा गांव की रहने वाली सावित्री सिंह (45) को गुरुवार शाम करीब 4 बजे गंभीर हालत में इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया जा रहा था। उन्हें 108 एंबुलेंस संख्या जेएच01सीजे-8238 से अस्पताल भेजा गया था, लेकिन टाटा-पटमदा मुख्य सड़क पर धूसरा गांव के पास अचानक एंबुलेंस का तेल खत्म हो गया, जिससे वाहन बीच रास्ते ही बंद हो गया। काफी प्रयास के बाद भी एंबुलेंस दोबारा स्टार्ट नहीं हो सकी। सड़क पर एंबुलेंस खराब हो जाने से मरीज की हालत और बिगड़ गई। करीब एक घंटे तक सड़क पर फंसे रहने के बाद एमजीएम अस्पताल से संपर्क कर दूसरी 108 एंबुलेंस मंगाई गई। इसके बाद मरीज को अस्पताल भेजा जा सका।

सावित्री सिंह ने बताया कि उन्हें लगातार उल्टी और दस्त हो रहे थे, जिससे वे बहुत कमजोर हो गई थीं। उनके रिश्तेदार रविंद्र सिंह ने 108 नंबर पर कॉल कर बोड़ाम के लावजोड़ा पीएचसी से एंबुलेंस मंगवाई थी। एंबुलेंस चालक कामदेव महतो ने बताया कि वाहन की हालत पहले से ही खराब थी और मरम्मत के अभाव में अक्सर चलते-चलते बंद हो जाती है। वहीं, एंबुलेंस में मौजूद टेक्नीशियन गणेश कौशल महतो ने भी वाहन की खराब स्थिति की पुष्टि करते हुए तत्काल मरम्मत की जरूरत बताई। उन्होंने यह भी कहा कि 24 घंटे सेवा देने के बावजूद एंबुलेंस कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। इस घटना ने ग्रामीण इलाकों में 108 एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधिवक्ताओं की आमसभा में नहीं हुआ कोई फैसला, हड़ताल वापस लेने की बात हंगामा

धनबादः धनबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं की हड़ताल शुक्रवार को नौवें दिन भी जारी रही। इस मुद्दे पर शुक्रवार को अधिवक्ताओं की जनरल बॉडी मीटिंग में हड़ताल जारी रखने या वापस लेने पर कोई फैसला नहीं हो सका। इस मामले में सुबह से ही अधिवक्ता दो गुटों में बंटे नजर आये। वरीय अधिवक्तागण जहां हड़ताल वापस लेने के पक्ष में थे, तो दूसरा गुट प्रशासन से पार्किंग को लेकर लिखित देने एवं अदालत की ओर जाने वाले दो गेट को खोले जाने तक हड़ताल को जारी रखने की मांग पर अड़े रहे। आमसभा के दौरान हड़ताल वापस लेने की बात रहने पर कुछ अधिवक्ता हो-हंगामा करने लगे। यही स्थिति दिनभर चलती रही। शाम पांच बजे तक इस मुद्दे पर कोई हल नहीं निकलने पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने जनरल बॉडी मीटिंग स्थगित कर दी।

प्रशासन की पहल को देख आंदोलन समाप्त हो : जितेंद्र कुमार आमसभा में बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि वे अधिवक्ताओं के साथ खड़े हैं। उनकी व्यक्तिगत राय है कि अधिवक्ता हित, जनहित और प्रशासनिक पहल को देखते हुए आंदोलन स्थगित कर अधिवक्ताओं को काम पर लौटना चाहिए। प्रशासन द्वारा पार्किंग की अस्थायी व्यवस्था सड़क के दोनों किनारे पर दी गयी है और प्रशासन इस बाबत लिखित देने को भी तैयार है। इसलिए प्रशासन की पहल को हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अधिवक्ताओं की जैसी राय होगी, वैसा ही फैसला लेंगे : राधेश्याम गोस्वामी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कहा कि उपायुक्त, एसएसपी एवं एसडीएम ने स्थायी पार्किंग की व्यवस्था का आश्वासन दिया है। लेकिन, व्यवस्था में समय लग सकता है। अधिवक्ताओं की जैसी राय होगी, वैसा ही फैसला लेंगे। शनिवार को सुबह पुनः इस मुद्दे पर बार एसोसिएशन परिसर में आमसभा होगी, जिसमें अधिवक्ताओं की राय ली जायेगी। उसके बाद फैसला लिया जायेगा।

कोर्ट परिसर में दंगा निरोधी पुलिस टीम की तैनातीः रास्ता मुद्दे पर गुरुवार को अधिवक्ताओं और स्वास्थ्यकर्मियों में विवाद के बाद शुक्रवार की सुबह से अदालत परिसर में दंगा निरोधी पुलिस टीम की तैनाती की गयी है। चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मी आंसू गैस के गोले के साथ किसी भी अप्रिय घटना से निबटने को तैयार दिखे। सुबह करीब 10 बजे एसएसपी प्रभात कुमार, डीएसपी धनबाद सिविल कोर्ट पहुंचे और वहां तैनात पुलिकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिये।

दुमका दो बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर, एक की मौत, 4 गंभीर रूप से घायल

दुमकाः गोपीकांदर और पाकुड़िया थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके कालीपहाड़ी- विराजपुर ढलान के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। मृतक की पहचान बदरू देहरी (27 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में राजकुमार मैड़या (17 वर्ष), संतोष देहरी (13 वर्ष), हड़पा मुर्मू (35 वर्ष) और प्रमिला मुर्मू (28 वर्ष) शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही गोपीकांदर एवं पाकुड़िया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर लाया गया।

घायलों को किया गया फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफरः सीएचसी में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ हेमंत मुर्मू ने प्राथमिक उपचार के बाद चारों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए दुमका स्थित फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सक के अनुसार राजकुमार मैड़या का बायां पैर, संतोष देहरी का बायां हाथ और हड़पा मुर्मू का बायां पैर टूट गया है, जबकि प्रमिला मुर्मू के सिर में गंभीर चोट लगी है। हड़पा मुर्मू और प्रमिला मुर्मू दोनों भाई-बहन हैं और घटना के बाद से बेहोश बताए जा रहे हैं। बताया गया कि मृतक बदरू देहरी, घायल संतोष देहरी और राजकुमार मैड़या गोपीकांदर थाना क्षेत्र के जीतपुर गांव के निवासी हैं, जबकि हड़पा मुर्मू और प्रमिला मुर्मू महेशपुर थाना क्षेत्र के पखड़ीपाड़ा गांव के रहने वाले हैं।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः घायल राजकुमार मैड़या के अनुसार, वह बदरू देहरी और उसके छोटे भाई संतोष देहरी के साथ जीतपुर गांव से खरौनी बाजार के साप्ताहिक हाट जा रहा था। वहीं दूसरी बाइक पर सवार हड़पा मुर्मू अपनी बहन प्रमिला के साथ खरौनी हाट से जड़ी-बूटी की दवा खरीदकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कालीपहाड़ी- विराजपुर ढलान के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये।

बाबा बासुकीनाथ धाम में होने वाले महाशिवरात्रि को लेकर उपायुक्त ने की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

संवाददाता

दुमकाः समाहरणालय के सभागार कक्ष में आगामी महाशिवरात्रि पर्व (15 फरवरी) के अवसर पर बासुकीनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं सुचारू पूजा-अर्चना को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ में की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समय रहते पूर्ण कर ली जाएँ, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने बताया कि पूर्व की तरह महाशिवरात्रि के अवसर पर भी श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शनम की व्यवस्था रहेगी।जानकारी दी गयी कि मंदिर के रंग-रोगन का कार्य जारी है।साथ ही विद्युत साज-सज्जा का कार्य आकर्षक एवं सुरक्षित ढंग से कराने का निर्देश दिया गया।कहा कि बासुकीनाथ मंदिर क्षेत्र सहित सभी प्रमुख पहुँच पथों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि रात्रि के समय श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों को स्पष्ट रूप से चिन्हित करने तथा विधि-व्यवस्था से जुड़े सभी आवश्यक प्रबंध दुरुस्त रखने का निर्देश दिया।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों पर मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इसके साथ ही एक अग्निशमन वाहन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखने को कहा गया।

साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि मंदिर परिसर, शिवगंगा क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में स्वच्छता उच्च स्तर की होनी चाहिए। नियमित रूप से कचरे का निष्पादन किया जाए तथा फोगिंग मशीन के माध्यम से समय-समय पर फोगिंग कराई जाए, जिससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके।

उन्होंने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए, ताकि आवागमन सुचारू बना रहे। साथ ही शिवगंगा से रूट लाइन में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए खराब नल, टैप या अन्य उपकरणों को शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारू दर्शन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो तथा पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो।

बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी जरमुंडी,सभी संबंधित विभाग के पदाधिकारी,जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, पंडा समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।